संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21,अंक - 47 बुधवार 18 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

वन नेशन-वन इलेक्शन बिल पर संसद में भारी हंगामा

- » एक देश-एक चुनाव बिल पेश करने को लेकर वोटिंग
- » लोकसभा में पक्ष में 269...
- » विरोध में 198 वोट पड़े...
- » कांग्रेस बोली...सरकार के पास दो-तिहाई बहुमत नहीं

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2024(ए)। लोकसभा में मंगलवार को एक देश, एक चुनाव के लिए 129 वां संविधान (संशोधन) बिल पेश किया। बिल के लिए पहले इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई गई। कुछ सांसदों की आपत्ति के बाद वोट संशोधित करने के लिए फिर पर्ची से मतदान हुआ।

बिल को पेश करने के पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। इसके बाद केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसे सदन में रखा। अमित शाह ने सदन में कहा कि बिल जब कैबिनेट में आया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजना चाहिए। कानून मंत्री ऐसा प्रस्ताव कर सकते हैं।

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन बिल, बीजेपी की देश में तानाशाही लाने की कोशिश है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा आज एक देश-एक इलेक्शन बिल लोकसभा में पेश करते वक्त पार्टी के अनुपस्थित 20 सांसदों को नोटिस भेजेगी। पार्टी ने इन्हें सदन में मौजूद रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है।

पर्ची से मतदान होने के बाद पक्ष में वोट बढ़े...

12:10 बजे केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में वन नेशन, वन इलेक्शन बिल पेश किया। विपक्षी सांसदों ने बिल का विरोध किया, जिसके बाद स्पीकर ओम बिड़ला ने बिल पेश करने को लेकर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई। इसमें 369 सदस्यों ने वोट डाला। पक्ष में 220, विपक्ष में 149 वोट पड़े। इसके बाद विपक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर उनको ऑब्जेक्शन है तो पर्ची दे दीजिए। इस पर स्पीकर ने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि अगर किसी सदस्य को लगे तो वह पर्ची के जरिए भी अपना वोट संशोधित कर सकता है। इसके बाद ज्यादा सांसदों ने वोट डाला। पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। इसके बाद 1ः15 बजे कानून मंत्री ने दोबारा बिल पेश किया।

कांग्रेस ने विधेयक पेश करने का किया विरोध,लोकसभा में दिया नोटिस

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा में वन नेशन वन इलेक्शन विधेयक पेश किए जाने का विरोध करने के लिए एक नोटिस दिया है। उन्होंने सोमवार को नोटिस में लिखा, मैं संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक, 2024 को प्रक्रिया नियम के नियम 72 के तहत पेश किए जाने का विरोध करने के अपने इरादे का नोटिस देता हूं।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विधेयक पर उनकी आपत्तियां संवैधानिकता और संवैधानिकता के बारे में गंभीर चिंताओं पर आधारित हैं।अपनी आपत्तियों को सूचीबद्ध करते हुए उन्होंने नोटिस में लिखा कि विधेयक संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। संविधान का अनुच्छेद 1 स्थापित करता है कि इंडिया, यानी भारत, राज्यों का एक संघ होगा, जो इसके संघीय चरित्र की पुष्टि करता है। संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक 2024, जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने का प्रस्ताव करता है, राज्यों में एकरूपता लागू करके इस संघीय ढांचे को सीधे चुनौती देता है।

सरकार ने सदन में 2 बिल पेश किए

सरकार ने एक देश, एक चुनाव से जुड़े 2 बिल 17 दिसंबर को लोकसभा में पेश किए। पहला- संविधान (129 वां संशोधन) बिल।

दूसरा-केंद्र शासित कानून (संशोधन) बिल 2024, इसके तहत पुडुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ कराए जा सकें। इस संशोधन बिल के जरिए इन तीन एक्ट में बदलाव किया जाना है। द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट-1963, द गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफ दिल्ली- 1991 और द जम्मू एंड कश्मीर रीऑर्गनाइजेशन एक्ट- 2019 शामिल हैं।

दोनों सदनों में संविधान (129 वां संशोधन) बिल पास होने के लिए दो-तिहाई बहुमत जरूरी

लोकसभा की 543 सीटों में एनडीए के पास अभी 292 सीटें हैं। दो तिहाई बहुमत के लिए 362 का आंकड़ा जरूरी है। वहीं, राज्यसभा की 245 सीटों में एनडीए के पास अभी 112 सीटें हैं, वहीं 6 मनोनीत सांसदों का भी उसे समर्थन है। जबकि विपक्ष के पास 85 सीटें हैं। दो तिहाई बहुमत के लिए 164 सीटें जरूरी हैं। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार अब विधेयक (बिल) पर आम सहमति बनाना चाहती है। सरकार इसे विस्तृत चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति या जेपीसी के पास भेज सकती है।

15 दलों ने किया विरोध

एक देश, एक चुनाव पर बनी रामनाथ कोविंद समिति को 47 राजनीतिक दलों ने अपनी राय दी थी। इनमें 32 दलों ने समर्थन किया था और 15 दलों ने इसका विरोध किया था। विरोध करने वाले दलों के पास 205 लोकसभा सांसद हैं। यानी बिना इंडिया गठबंधन के समर्थन के संविधान संशोधन बिल पास होना मुश्किल है।

कांग्रेस बोली-बिल पर सरकार को बहुमत नहीं मिला

कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा कि संसद में सरकार को बिल के लिए दो-तिहाई बहुमत (307) चाहिए था, लेकिन सिर्फ 263 वोट मिले। इसके विरोध में 198 वोट पड़े। ये बिल जरूरी बहुमत नहीं जुटा सका है।

32 पार्टियां बिल के साथ, 15 ने विरोध जताया

एक देश-एक चुनाव पर 32 राजनीतिक दलों ने अपना समर्थन दिया है। इनमें जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी के चंद्रशेखर राव की और पलानीसामी की एआईएडीएमके जैसी पार्टियां शामिल हैं। ये तीनों पार्टियां किसी भी अलायंस का हिस्सा नहीं हैं।

वहीं, 15 पार्टियों ने इसका विरोध किया है। इसमें कांग्रेस के अलावा शिवसेना , समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, टीएमसी जैसी पार्टियां शामिल हैं।

पूर्व राष्ट्रपति बोले... ये मॉडल देश के विकास में योगदान देगा...

पूर्व राष्ट्रपति और समिति के अध्यक्ष रामनाथ कोविंद ने एक राष्ट्र,एक चुनाव के बारे में कहा- जिस दिन हमारी अर्थव्यवस्था 10 प्रतिशत-11 प्रतिशत तक बढ़ेगी, हमारा देश दुनिया की तीसरी-चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की कतार में होगा। भारतीय जनसंख्या के विकास के लिए यह मॉडल सक्षम है। अन्य पहलुओं में भी, इस मॉडल को अपनाना राष्ट्र के लिए सहायक होगा

लोकसभा में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक मशीन से वोटिंग

वन नेशन, वन इलेक्शन बिल को चर्चा और पारित किए जाने को लेकर मतदान हो रहा है। पहली बार लोकसभा में इलेक्ट्रॉनिक डिवीजन होगा। स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि आपको प्रक्रिया भी बताई जाएगी। इसके बाद सेक्रेटरी जनरल उत्पल कुमार सिंह ने व्यवस्था बताई।

जितने दिन चाहेंगे,उतने दिन का समय चर्चा के लिए देंगेःओम बिरला

स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि पहले भी सारी व्यस्था दे दी है। पुरानी परंपरा भी बता दी है। मंत्रीजी ने भी कह दिया है कि जेपीसी गठित होगी। जेपीसी के समय व्यापक चर्चा होगी और सब दल के सदस्य होंगे। जब बिल आएगा तो सबको पूरा समय दिया जाएगा और डिटेल चर्चा होगी। जितने दिन आप चर्चा चाहेंगे, उतने दिन का समय दिया जाएगा।

ओवैसी बोले...बिल से क्षेत्रीय पार्टियां खत्म हो जाएंगी

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि एक देश, एक चुनाव बिल अप्रत्यक्ष रूप से लोकतंत्र की राष्ट्रपति शैली लाएगा। इससे क्षेत्रीय पार्टियां खत्म हो जाएंगी।

टीडीपी का एक देश,एक चुनाव को समर्थन

तेलुगु देशम पार्टी सांसद और केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने अपनी पार्टी की तरफ से एक देश, एक चुनाव बिल का समर्थन किया।

गौरव गोगोई बोले- बिल से चुनाव आयोग को अवैध शक्तियां देगा

असम से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि यह विधेयक चुनाव आयोग को राष्टपति को सलाह देने की अवैध शक्तियां देता है। वहीं,नेता ईटी मोहम्मद बशीर और शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता अनिल देसाई ने बिल का विरोध किया।

टीडीपी बोली...बिल संसदीय कमेटी को भेजें

टीडीपी सांसद टीआर बालू ने कहा- मेरी सुझाव है कि वन नेशन, वन इलेक्शन बिल को संसदीय कमेटी को भेजा जाना चाहिए।

नीतीश-नायडू संग वाईएसआर भी वन नेशन-वन इलेक्शन पर सरकार के सपोर्ट में

कांग्रेस-सपा सहित इन दलों ने किया विरोध का ऐलान

वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़ा विधेयक आज 17 दिसंबर को लोकसभा में पेश किया जाएगा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल इस विधेयक को सदन में पेश करेंगे। इस विधेयक को 'संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024' नाम दिया गया है। इस विधेयक को लेकर अब तमाम राजनीतिक दलों की अलग अलग प्रतिक्रिया सामने आने लगी हैं।

एनडीए का हिस्सा नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी ने इस विधेयक को समर्थन दिया है। वहीं, वाईएसआर कांग्रेस ने भी वन नेशन वन इलेक्शन को सपोर्ट दिया है। मायावती ने भी सांसदों से इस विधेयक को समर्थन देने की बात कही है। वहीं कांग्रेस, और सपा इस बिल को लेकर खुले विरोध में हैं। वहीं, टीएमसी, आरजेडी, पीडीपी समेत कई दल भी इस विधेयक को लेकर केंद्र सरकार पर हमलावर हैं।

कांग्रेस ने इस बिल को असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि ये बिल संविधान बदलने का बिगुल है। सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि हम इस बिल का विरोध करेंगे और ये बिल संविधान के खिलाफ है। शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि ये बिल चुनाव की प्रक्रिया के साथ छेड़खानी है। इसके अलावा तमिलनाडु के सीएम स्टालिन, ममता बनर्जी, जेएमएम समेत कई अन्य दलों ने भी इस बिल का खुला विरोध किया है।

टीडीपी सांसद बोले...बिल एक व्यक्ति की महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन बिल कोई चुनाव सुधार नहीं है। यह एक व्यक्ति की महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए लाया गया है।

सपा के धर्मेंद्र यादव बोले- संविधान के मूल ढांचे को बदलने के लिए बिल लाए

सपा के धर्मेंद्र यादव ने कहा कि मैं एक देश, एक चुनाव के लिए लाए गए 129वें संविधान संशोधन विधेयक का विरोध करता हूं। मैं ये नहीं समझ पा रहा हूं कि दो दिन पहले संविधान बचाने की बात की जा रही थी। अब संविधान के मूल ढांचे को बदलने के लिए विधेयक लाया गया है।

सरकार बोली- वन नेशन, वन इलेक्शन से प्रशासनिक क्षमता बढ़ेगी

बिल पेश होने से पहले केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय ने कहा कि आजादी के बाद से चुनाव आयोग लोकसभा और विधानसभाओं के 400 से ज्यादा चुनाव करा चुका है। अब हम एक देश, एक चुनाव का कॉन्सेप्ट लाने जा रहे हैं। एक हाईलेवल कमेटी इसका रोडमैप बना चुकी है। इससे प्रशासनिक क्षमता बढ़ेगी, चुनाव संबंधी खर्च में कमी आएगी और नीतिगत निरंतरता को बढ़ावा मिलेगा।

सीपीआई नेता डी राजा ने कहाःदेश में एक चुनाव संभव नहीं

विजयवाड़ा में सीपीआई नेता डी राजा ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

एक राष्ट्र, एक चुनाव बिल का विरोध करती है। हमारी पार्टी ने अपने विचार कोविंद और उनकी अध्यक्षता वाली समिति को सौंपे हैं। भारत जैसे देश में, जहां कई विविधताएं हैं, एक राष्ट्र, एक चुनाव अव्यावहारिक है और बिल्कुल भी संभव नहीं है। सरकार को इस प्रस्ताव के पीछे का उद्देश्य स्पष्ट करना चाहिए।

देश की संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में समाजवादी पार्टी का आपको बिना शर्त समर्थन

अखिलेश यादव बोले,हर हाल में केजरीवाल का साथ देगी सपा

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2024(ए)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी को बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान किया है। उन्होंने आप की 'महिला अदालत' कार्यक्रम में कहा, समाजवादी पार्टी पूरी जिम्मेदारी के साथ केजरीवाल के साथ खड़ी है और हर कदम पर उनकी मदद करेगी। अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार से सुरक्षा का हक छीनकर केंद्र को दे दिया गया है, लेकिन अब केंद्र सरकार सुरक्षा देने में नाकाम रही है।जब देश की राजधानी दिल्ली में महिलाओं के साथ इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, तो अन्य राज्यों की स्थिति क्या होगी, यह एक बड़ा सवाल है। गृह मंत्रालय अपनी जिम्मेदारियों से पूरी तरह से नाकाम हो गया है।

एसीपी को किया जाएगा गिरफ्तार

कानपुर,17 दिसम्बर 2024(ए)। आईआईटी कानपुर की छात्रा से रेप के आरोपों में घिरे एसीपी मोहसिन खान की मुश्किलें बढ़

सकती हैं। एक तरफ आरोप लगाने वाली पीएचडी छात्रा ने कोर्ट में अपने बयान दर्ज करा दिए हैं। बताया जा रहा है कि पीड़िता अपने बयान पर कायम है। वहीं, दूसरी तरफ एसीपी की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हिंदूवादी संगठन के लोगों ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने एफआईआर दर्ज होने के तीन-चार दिन बाद भी एसीपी की गिरफ्तारी ना होने पर नाराजगी जताई।

ईवीएम वेरिफिकेशन की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने दिए अहम निर्देश

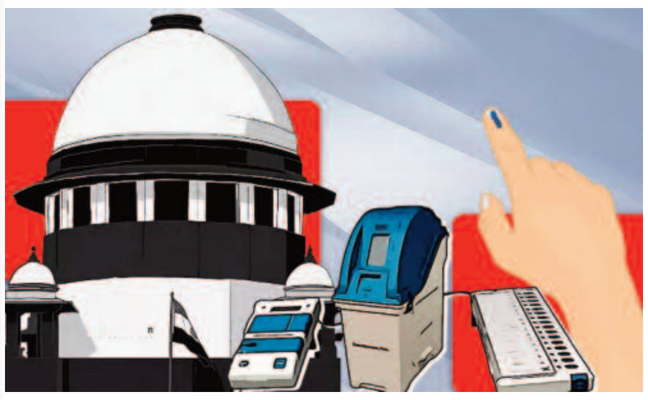

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2024(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के सत्यापन को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि मामले को उसी खंडपीठ के समक्ष रखा जाए,जिसने अप्रैल में इस विषय पर फैसला सुनाया था। उस समय अदालत ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग को खारिज कर दिया था।

जस्टिस विक्रम नाथ और पीबी वराले की खंडपीठ ने सीजेआई की रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि कांग्रेस नेता करण सिंह दलाल की याचिका, जिसमें हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान ईवीएम के सत्यापन की मांग की गई है, उसे अप्रैल में सुनवाई करने वाली खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए। यह सीजेआई की मंजूरी के तहत तय होगा।

क्या हैं याचिकाकर्ता की मांगें?

करण सिंह दलाल, जो पांच बार विधायक रह चुके हैं, ने याचिका में ईवीएम के चार प्रमुख घटकों की मेमोरी और माइक्रोकंट्रोलर की जांच के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की है।

ये चार घटक हैं...

कंट्रोल यूनिट
बैलट यूनिट
वीवीपैट (वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल)
सिंबल लोडिंग यूनिट

याचिका में यह भी कहा गया है कि यह सत्यापन प्रक्रिया आठ सप्ताह के भीतर पूरी की जानी चाहिए।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर असर

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि यह मामला देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और विभिन्न राज्यों में होने वाले चुनावों की पारदर्शिता को सीधे प्रभावित करता है। इसलिए, इसे तत्काल और निर्णायक रूप से सुलझाना जरूरी है।

बेंगलुरु मेट्रो के अंदर भीख मांगने से यात्रियों में व्यापक आक्रोश

बेंगलुरू,17 दिसम्बर 2024(ए)। पिछले कुछ महीनों में बेंगलुरू सोशल मीडिया पर गलत कारणों से चर्चा में रहा है। चाहे वह ट्रैफिक की समस्या हो, जलभराव हो, पानी की कमी हो, ऑटो-रिक्शा चालकों से झगड़ा हो या आत्महत्या हो, शहर हर जगह खबरों में रहता है। हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें बेंगलुरू मेट्रो ट्रेन के अंदर एक व्यक्ति भीख मांगता हुआ दिखाई दे रहा था। यह भी सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुआ और अधिकारियों को कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया। वीडियो में एक दिव्यांग व्यक्ति टोपी पहने हुए ट्रेन के अंदर एक यात्री से दूसरे यात्री से भीख मांगता हुआ दिखाई दे रहा है। बीएमआरसीएल सूत्रों के अनुसार, ऐसा माना जा रहा है कि यह घटना शनिवार को हुई, हालांकि सटीक तारीख और समय का पता लगाने के लिए जांच अभी भी जारी है. एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह व्यक्ति कहां से चढ़ा था।

प्रियंका गांधी के बैग पर विवाद

» बांग्लादेशी हिंदुओं के समर्थन में संसद पहुंची प्रियंका, बीजेपी हुई हमलावर...

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2024(ए)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। मंगलवार को प्रियंका गांधी संसद पहुंचीं और उनके पास एक बैग था जिस पर लिखा था, बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हो। यह बैग बांग्लादेशी धार्मिक अल्पसंख्यकों के समर्थन में था, जो हाल के दिनों में विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

इससे एक दिन पहले प्रियंका गांधी संसद में फिलिस्तीन के समर्थन में बैग लेकर पहुंची थीं, जिस पर फिलिस्तीन आजाद होगा लिखा था और उसमें तरबूज और सफेद कबूतर की छवियां थीं। इन दोनों बैग्स ने राजनीतिक हलकों में बहस छेड़ दी है। बीजेपी ने प्रियंका गांधी के इस कदम को तुष्टीकरण की राजनीति करार दिया है। बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रियंका पर निशाना साधते हुए कहा कि गांधी परिवार हमेशा तुष्टीकरण की राजनीति करता है और इसी कारण कांग्रेस चुनावों में लगातार हार रही है। उन्होंने इसे तुष्टीकरण का बैग बताया और कहा कि यह कदम पार्टी की छवि को और भी नुकसान पहुंचाएगा।

मानवाधिकार और समानता की आवाज उठा रहीं प्रियंका

वहीं, कांग्रेस पार्टी ने प्रियंका गांधी के इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि प्रियंका का उद्देश्य मानवाधिकार और समानता की आवाज उठाना है। कांग्रेस के मुताबिक, प्रियंका गांधी पीड़ित समुदायों के साथ खड़ी हैं और उनका मकसद सिर्फ और सिर्फ न्याय और समाज में बराबरी सुनिश्चित करना है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि वे हर उस समुदाय की आवाज बनना चाहती हैं जो दमन या उत्पीड़न का सामना कर रहा है।

अय्यपा मंदिर में श्रद्धालु ने की आत्महत्या

केरल,17 दिसम्बर 2024(ए)। केरल के पत्तिनमथिट्ठा जिले के सबरीमाला के प्रसिद्ध अय्यपा मंदिर में एक श्रद्धालु ने आत्महत्या कर ली। मरने वाले व्यक्ति की पहचान तमिलनाडु के तिरुवल्लुवर जिले के जगन संपत के रूप में हुई है। मंदिर परिसर में श्रद्धालु द्वारा आत्महत्या किए जाने से सनसनी फैल गई।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार की शाम को जगन संपत ने सबरीमाला पहाड़ की चढ़ाई की थी। इसके बाद मंदिर परिसर में बने घी अभिषेक काउंटर की छत से उन्होंने अचानक छलांग लगा दी।

खुदकुशी के कारणों का नहीं चला पता

नीचे मौजूद लोगों ने तुरंत मंदिर प्रबंधन को अलर्ट किया। इसके बाद उन्हें चिकित्सकीय सहायता दी गई, लेकिन अधिक खून बह जाने के चलते अस्पताल पहुंचने से पहले उनकी मृत्यु हो गई है। खुदकुशी के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। सबरीमाला पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

पांच लाख रुपये का मुफ्त बीमा कवरेज

पिछले महीने ही मंडलम-मकरविलक्कू तीर्थयात्रा सत्र के दौरान भगवान अयप्पा मंदिर में दर्शन करने वाले सबरीमाला तीर्थयात्रियों को पांच लाख रुपये का मुफ्त बीमा कवरेज दिए जाने का ऐलान किया गया था। केरल सरकार के मंत्री वीएन वासवन ने कहा था कि अयप्पा मंदिर का प्रबंधन करने वाली शीर्ष संस्था त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड ने इस साल सबरीमाला आने वाले सभी तीर्थयात्रियों के लिए बीमा कवरेज की शुरुआत की है।

संपादकीय

भारतीय अरबपतियों का धन तेज रफ्तार से बढ़ा

जब मध्य वर्ग के ढहने और उपभोक्ता बाजार के मंद होने की चर्चा चिंता का कारण बनी हुई है, तभी भारतीय अरबपतियों का धन तेज रफ्तार से बढ़ा है। वित्त वर्ष 2023-24 में उनके पास मौजूद धन में 42 फीसदी इजाफा हुआ।भारत में कम-से-कम एक तबके की चमक जरूर बढ़ रही है। वे भारत के उद्योगपति हैं। जिस समय देश में मध्य वर्ग के ढहने और उपभोक्ता बाजार के मंद होने की चर्चा चिंता का कारण बनी हुई है, तभी अरबपतियों का धन तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में उनके पास मौजूद धन में 42 फीसदी इजाफा हुआ। रकम में देखें, तो यह बढ़ोतरी 905 बिलियन डॉलर की रही। उद्योगपतियों की संख्या के लिहाज से भारत पहले ही दुनिया में तीसरे नंबर पर आ चुका है। चूंकि चीन में विषमता घटाने की नीति पर सख्त अमल के कारण अरबपतियों की संख्या और उनका सकल धन घट रहा है, इसलिए संभव है कि कुछ वर्षों में भारत इस सूची में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर आ जाए।दस साल के आंकड़ों पर गौर करें, तो भारत में उद्योगपतियों की संख्या दो गुना होकर 185 तक पहुंच चुकी है, जबकि उनका कुल धन लगभग पौने तीन गुना (सही आंकड़ा 263 प्रतिशत है) बढ़ गया है। स्विस बैंक यूबीएस हर वर्ष अरबपतियों के बारे में रिपोर्ट जारी करता है। उसकी ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस समय वैश्विक रुझान अरबपतियों का धन अपेक्षाकृत घटने का है, लेकिन भारतीय अरबपति इस रुझान को मात देने में कामयाब हैं। पिछले वित्त वर्ष में अरबपतियों के धन के लिहाज से टॉप पांच देशों में अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन में भी अरबपतियों का कुल धन बढ़ा, मगर सबसे ज्यादा वृद्धि भारत में दर्ज हुई।सिर्फ चीन ऐसा देश रहा, जहां इस वर्ग के कुल धन में गिरावट आई। अब इन आंकड़ों पर देश के लोग चाहें, तो फख्र कर सकते हैं! किसी भी क्षेत्र में खास कर धनी देशों से भारत के आगे निकलने की खबर पर आम तौर पर अपने लोग खुश होते नजर आते हैं। मगर पेच यह है कि अरबपतियों और उनसे सीधे तौर पर जुड़े छोटे से तबके की खुशहाली अन्य वर्गों की बदहाली की कीमत पर हासिल हो रही है।

चुनावी राजनीति में सॉफ्ट टारगेट क्यों बनती जा रही हैं महिलाएं ?

» कब होगी असली मुद्दों की बात ?

» भारत जैसे कल्याण कारी राज्य में इस तरह की योजनाओं की प्रासंगिकता पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए लेकिन यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि राजनीतिक दल इसे चुनाव जीतने के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल करने लग गए हैं...

भारत की राजनीति में महिलाएं राजनीतिक दलों के लिए एक सॉफ्ट टारगेट बनती जा रही हैं। देश के सभी राजनीतिक दलों को यह लगने लगा है कि महिला मतदाताओं को लुभा कर चुनावी जीत हासिल की जा सकती है। यही वजह है कि एक के बाद एक कई राज्यों में राजनीतिक दलों ने खासकर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों ने महिलाओं के खाते में सीधे कैश पहुंचा कर सत्ता में फिर से वापसी करने में कामयाबी हासिल कर ली है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहने के दौरान शिवराज सिंह चौहान, लाडली बहना योजना चलाकर अपने आपको पूरे राज्य की महिलाओं के लिए भाई और बच्चों के लिए मामा के रूप में स्थापित कर चुके हैं। शिवराज सिंह चौहान सरकार के नक्शे-कदम पर चलते हुए हाल ही में महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की महायुति गठबंधन सरकार और झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में जोरदार वापसी की है।

राजनीतिक दल चुनावी राजनीति के हिसाब से किस तरह से महिलाओं को सॉफ्ट टारगेट मान रहे हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ सरकारें अब चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में एक निश्चित रकम भेजने की योजना लाते हैं और अगर संभव होता है तो एक-दो क़िस्त भेज भी देते हैं और फिर महिलाओं से यह वादा करते हैं कि अगर वे उनकी पार्टी को चुनाव जीता दें तो फिर से सरकार बनने के बाद वे उस राशि को बढ़ा देंगे। अब इसे महिला सम्मान योजना का नाम दिया जाए या लाडली बहना योजना का नाम दिया जाए या फिर कोई और नाम दिया जाए लेकिन सही मायनों में यह एक चुनावी रिश्वत से ज्यादा कुछ नहीं होता है।

हाल ही में दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने भी यही किया। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के नाम पर हर महिला के खाते में एक हजार रुपए भेजने की घोषणा की, हालांकि वे और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, दोनों ही इस बात को बखूबी समझते हैं कि चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में पैसे जाने की संभावना बहुत ही कम है। लेकिन उस पर भी तुर्रा देखिए कि केजरीवाल ने एक तरह से महिलाओं को चुनावी लालच देते हुए यह भी घोषणा कर दी है कि विधानसभा चुनाव जीतवा दो तो इसे बढ़ाकर 2100 रुपए कर दिया जाएगा। हालांकि दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने इस योजना में होने वाले खर्च की राशि को लेकर कई तरह की गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं। भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में इस तरह की योजनाओं की प्रासंगिकता पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए लेकिन यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि राजनीतिक दल इसे चुनाव जीतने के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल करने लग गए हैं। चुनावी शोर, चुनावी वादें और चुनावी जीत की गहमा-गहमी के बीच असली मुद्दे कहीं गौण होते नजर आ रहे हैं।

सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिर इस तरह की योजनाएं चुनाव के पहले ही क्यों शुरू की जाती है ? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या 1000, 1500, 2100 या 3000 रुपए की राशि से सभी समस्याओं का स्थायी समाधान हो जाता है। वास्तव में एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा में फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी निहित होती है लेकिन विडंबना देखिए कि सरकारों ने इन मुद्दों पर स्थायी काम करने की बजाय कामचलाऊ हल ढूंढ लिया है। सरकार और देश के राजनीतिक दल, लोगों को फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी देने से बचने के लिए बाकी हर चीज मुफ्त में देने को तैयार है। ऐसे में अब वक्त आ गया है कि महिला मतदाताओं को ही आगे बढ़कर, नेताओं से यह सवाल पूछना चाहिए कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों की हालत इतनी खराब क्यों हैं ? प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों की फीस बेतहाशा क्यों बढ़ती जा रही है ? जिस देश में बड़े पैमाने पर डॉक्टरों की कमी है, उस देश में एमबीबीएस की पढ़ाई का खर्च सालाना एक करोड़ रुपए से भी ज्यादा कैसे हो गया है ? सरकारी अस्पताल में समय पर उचित और फ्री इलाज क्यों नहीं मिल पा रहा है ? नौकरी तक का फॉर्म भरने के लिए बेरोजगार बच्चों से सैकड़ों-हजारों रुपए क्यों लिए जा रहे हैं ? क्योंकि अगर आप जोड़ कर देखेंगी तो ये सभी खर्च मिलाकर आपको महिला सम्मान या लाडली बहना योजना के नाम पर मिलने वाली राशि से कई हजार गुना ज्यादा बैठ जाएगी।

-संतोष पाठक-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अपनों के निशाने पर आने के बाद क्या अब नीतियों में बदलाव लाएगी कांग्रेस ?

अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी...

संविधान पर संसद में विशेष बहस पर अपने नेताओं प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी के भाषणों को लेकर जिस वक्त कांग्रेस गद्गगद् हो रही थी, उसी वक्त उस पर कश्मीर की वादियों से सियासी गर्मी का जबर्दस्त झोंका आया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को सीधे-सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो। दिलचस्प यह है कि लोकसभा के अपने पहले भाषण में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रियंका वाड्रा ने कहा था कि ईवीएम हटा दो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं। उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान के जरिए एक तरह से साफ कर दिया है कि कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में उनका भरोसा नहीं है। आज की राजनीति जिस बिंदु पर पहुंच चुकी है, उसमें अगुआ की हर गलत-सही बात का समर्थन करना ही अनुयायियों की पहली शर्त बन गई है। तार्किक आधार पर समर्थन और विरोध की सोच को हमारे समाज ने सिरे से नकार दिया है। यह नकार राजनीति में सबसे ज्यादा नजर आता है। अगुआ की बात को अनुयायी ने स्वीकार नहीं किया तो उसे सीधे-सीधे नाफरमानी या अनुशासनहीनता माना जाता है। दलीय व्यवस्था में ऐसे नकार की सजा निष्कासन और निलंबन तय है। चूंकि इंडिया गठबंधन औपचारिक कोई दल नहीं, बल्कि दलों का समूह है, लिहाजा यहां वैसी अनुशासनिक व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद मोटे तौर पर गठबंधनों के बीच एक समझ रही है कि गठबंधन और उसके अगुआ की सेहत पर असर ना पड़े, ऐसी बयानबाजी से दूर रहा जाए।

लेकिन ममता बनर्जी, रामगोपाल यादव और उमर अब्दुल्ला के बयान के संदेश साफ हैं। संदेश यह है कि कांग्रेस की अगुआई में उन्हें नरेंद्र मोदी को चुनौती दे पाने की ताकत राहुल गांधी में नहीं दिखती। इन बयानों का एक संदेश यह भी है कि राहुल गांधी की अगुआई में इन दलों का कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर कोई भविष्य नहीं है। लेकिन उमर अब्दुल्ला इससे आगे का भी संकेत दे रहे हैं। ईवीएम के बहाने वे कांग्रेस को यह भी संदेश दे रहे हैं कि 'मीठा-मीठा गप और कड़वा-कड़वा थू' की वैचारिक सोच वाली राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। यह कैसे हो सकता है कि जिस ईवीएम के सहारे आप अमेठी और वायनाड जीतने के बाद आप जश्न में डूब सकते हैं, जिसके सहारे 55 से 99 सीटों पर पहुंच जाते हैं तो इसे अपनी भारी जीत बताते हैं, जिस ईवीएम के ही सहारे जब आप कर्नाटक, हिमाचल और झारखंड और यहां तक कि कश्मीर जीत जाते हैं तो इसे नरेंद्र मोदी की हार बताने लगते हैं, लेकिन अगर चुनावी रणनीति में मात खाने के बाद सत्ता की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहराने लगते हैं। यह दोहरापन नहीं चलने वाला। इसे जनता भी समझने लगी है।

अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी। अगर ईवीएम पर संदेह करने वाले दल चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो जाएं तो विपक्ष विहीन चुनाव को जनता भी स्वीकार नहीं कर पाएगी और उस चुनाव को सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अंग नहीं माना जा सकेगा।

ऐसे में सरकार और चुनाव आयोग दबाव में आ सकते हैं। लेकिन ऐसा करने के लिए ईवीएम पर संदेह करने वाले दलों में साहस होना चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा साहस कोई दल दिखाता नजर नहीं आ रहा। इसकी वजह यह है कि कोई भी दल संसदीय राजनीति के उस रसूख को छोड़ने का साहस नहीं रखता, जो उसे सांसद या विधायक बनने के बाद हासिल होता है। इन दलों और उनके नेताओं को पता है कि संसद और विधानमंडल से बाहर रहने के बाद उनकी बातें गौर से सुनीं नहीं जातीं और उनके शब्दों को तवज्जो भी नहीं मिलता। इसलिए वे ईवीएम पर सवाल भी उठा रहे हैं और उसी ईवीएम के जरिए संसदीय कुर्सियों पर भी काबिज रहना चाहते हैं। यह भी एक तरह से चारित्रिक दोहरापन ही है और उमर अब्दुल्ला का यह बयान उस दोहरापन से खुद को अलग करने की कोशिश भी हो सकता है।

वैसे कांग्रेस के लोगों से ऑफ द रिकॉर्ड बात कीजिए तो वे भी मानते हैं कि चाहे ईवीएम का मुद्दा हो या किसानों का आंदोलन, उनके लिए सिर्फ कवरअप के मुद्दे हैं। कवरअप यानी बचाव का मुद्दा। पार्टी के अंदरूनी सूत्र भी मानते हैं कि जिन कृषि कानूनों के विरोध में कांग्रेस राजनीति कर रही है, उन्हें उसकी ही सरकार ने तैयार किया था। ईवीएम का चलन 2004 में पूरी तरह शुरू हुआ। जिसमें कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यूपीए को जीत मिली थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे। तब तो कांग्रेस को यह जीत बहुत पसंद आई थी। इसके अगले यानी 2009 के चुनाव में भी यूपीए को दूसरी बार जीत मिली। तब भी ईवीएम पर कम से कम कांग्रेस की ओर से सवाल नहीं उठा। तब लालकृष्ण आडवाणी खेमे की ओर से ईवीएम पर सवाल उठा तो उसे सिरे से खारिज कर दिया गया। इसके बाद आडवाणी के लोगों ने उसे तूल नहीं दिया। लेकिन 2014 के बाद से लगातार ईवीएम पर कांग्रेस की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। जबकि कांग्रेस भी जानती है कि ईवीएम में दोष नहीं है, उसकी नीतियों में ही कमी है, जिसकी वजह से वोटर उसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है।

ऑफ द रिकॉर्ड अगर कांग्रेसी नेताओं से बात होती है तो वे मानते हैं कि किसान कानून और ईवीएम का विरोध दरअसल उसके लिए बचाव के मुद्दे हैं। कांग्रेस इन मुद्दों के जरिए अपनी नाकामियां छिपाती रहती है। उदाहरण के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के हालिया बयान को लेकर उनके खिलाफ कपिल सिब्बल की अगुआई में महाभियोग चलाना कुछ-कुछ वैसा ही मामला होने जा रहा है, जैसा 1986 में शाहबानो को गुजारा भत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए संसद से नया कानून बना दिया गया था। बहुसंख्यक सोच जबकि इसके खिलाफ थी, कुछ इसी तरह शेखर यादव के बयान को लेकर महाभियोग चलाने के फैसले से बहुसंख्यक वोट बैंक सहमत नहीं है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को लेकर बहुसंख्यक समाज में विरोध के सुर भले ही खुले तौर पर ना उठें, लेकिन चुनावी मैदान में इसे लेकर बहुसंख्यक वोट बैंक अपना गुस्सा निकाल सकता है। फिर भी कांग्रेस अपनी हार के लिए अपने रूख को लेकर सवाल नहीं उठाएगी, अपने भीतर झांकने की कोशिश नहीं करेगी,बल्कि वह ईवीएम को ही बहाना बनाएगी।बहरहाल उमर अब्दुल्ला के बयान के बाद कांग्रेस को सबक सीखना होगा। उसे स्वीकार करना होगा कि उसकी बेतुकी बयानबाजी पर सिर्फ सत्ता पक्ष ही नहीं, उसके साथियों को भी एतराज है। उसे यह भी स्वीकार करना होगा कि अगर उसने नीतियां नहीं बदलीं तो उसके नेतृत्व को लेकर विपक्षी गठबंधन में भरोसा कायम नहीं रह पाएगा। जिसका असर आने वाले दिनों में होने जा रहे दिल्ली और बिहार जैसे राज्यों के चुनाव नतीजों में दिख सकता है।

-उमेश चतुर्वेदी-

किसी दृष्टि से छोटी घटना नहीं सुखबीर बादल पर हमला

अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल पर हमला किसी दृष्टि से छोटी घटना नहीं है।संयोग कहिए या सुखबीर बादल की अभी आयु बची है अन्यथा हमलावर ने गोली चला ही दी थी। सुरक्षाकर्मियों ने उसे त्वरित गति से नियंतण्रमें लिया और हाथ ऊपर उठा दिया वरना जितने निकट से गोली चलाई गई थी सीधे सुखवीर बादल की छाती या सिर में घुस जाती। सुखबीर बादल को अन्य अकाली नेताओं के साथ श्रीअकाल तख्त साहिब की तरफ से 11 दिन की सेवा की धार्मिक सजा सुनाई गई है। वे मुख्य प्रवेश द्वार पर बरछा लेकर व्हीलचेयर पर बैठे थे। उनकी सजा का दूसरा दिन था। इस समय सुखबीर बादल का पैर क्षतिग्रस्त है जिस कारण वह कुर्सी पर बैठ कर सेवा कर रहे हैं।हमलावर 9 एमएम का ग्लोक रिवाल्वर लेकर इतने निकट पहुंच गया तो जांच होनी चाहिए कि ऐसा क्यों हुआ? वैसे यह दुर्भाग्य है कि कुछ नेताओं ने यही आरोप लगा दिया कि सुखबीर ने सहानुभूति लेने के लिए हमला कराया। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा है कि हम इस पहलू से भी जांच कर रहे हैं। हमले के तरीके और स्थिति को देखते हुए सामान्य व्यक्ति सोच भी नहीं सकता कि इसके पीछे सुखबीर बादल या स्वयं अकाली दल का ही कोई षड्यंत्र होगा। गिरफ्तार हमलावर का नाम नारायण सिंह चौड़ा है जिसे बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकवादी कहा जा रहा है। वह डेरा बाबा नानक का रहने वाला है। नारायण सिंह चौड़ा पर आतंक और अपराध के अनेक आरोप हैं। जानकारी के अनुसार उस पर पाकिस्तान से भारी संख्या में हथियार लाने सहित करीब 30 मामले दर्ज हैं। वह तीन बार जेल जा चुका है और 3,139 दिनों तक जेल में रहने का उसका रिकॉर्ड है।उसे 28 फरवरी, 2013 को दो अन्य के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसके कुराली स्थित ठिकाने से काफी संख्या में हथियार और गोला बारूद बरामद हुए थे। वह बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकवादियों जगतार सिंह हवारा, परमजीत सिंह भ्योरा, जगतार सिंह तारा और देवी सिंह को 2004 में चंडीगढ़ की बुरैल जेल से भागने में मदद की थी।ध्यान रखिए कि ये सब पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारे हैं, जो जेल में सुरंग खोदकर फरार हो गए थे। हालांकि इस मामले में वह बरी किया जा चुका है। उस पर 8 मई ,2010 को परमजीत सिंह पंचवाड़ के ड्राइवर रहे रतनदीप सिंह के साथ अमृतसर में सर्किट हाउस के पास एक कार में आरडीएक्स रख कर धमाका करने की साजिश का भी आरोप लगा था।तरण तारण, गुरदासपुर सहित अन्य जिलों में भी उस पर गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए सहित गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं। अंतिम बार वह 2022 में जमानत पर बाहर आया। चार दशक पहले उसके पाकिस्तान जाकर प्रशिक्षण लेने की भी बात सामने आई है। वहां उसने खालिस्तान नेशनल आर्मी का गठन किया था। वास्तव में आतंकवाद के शुरु आती चरण के दौरान पंजाब में हथियारों और विस्फोटकों की बड़ी खेप की तस्करी में वह शामिल रहा।

-अवधेश कुमार-

बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न दुर्भाग्यपूर्ण

जिस बांग्लादेश के निर्माण में भारत ने अहम भूमिका निभाई थी, अब उसी के साथ भारत के रिश्ते अभूतपूर्व तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। वहां चार महीने पहले निर्वाचित सरकार के तख्तापलट और उसके बाद अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में शरण ले लेने के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक रिश्ते तो तल्ख हुए ही हैं, साथ ही बांग्लादेश में रह रहे हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हिंसक हमलों की घटनाओं से भी दोनों देशों के रिश्तों में खासी कटुता आ गई है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि बांग्लादेश में ऐसे लोगों की बड़ी तादाद हो गई है जो अपने देश की पहचान 1971 के संदर्भ में नहीं, बल्कि 1947 के संदर्भ में देखने लगे हैं। देश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस तो संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भी कह चुके हैं, बांग्लादेश बना, क्योंकि लोगों का उदारवाद, बहुलवाद एवं धर्मनिरपेक्षता में गहरा यकीन था। अब दशकों बाद नई पीढ़ी उन मूल्यों और उसूलों पर पुनर्विचार कर रही है, जैसा कि 1952 में हुआ था, जब हमारे देशवासियों ने अपनी मातृ भाषा बांग्ला की रक्षा का संकल्प लिया था।' यानी 1952 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लोगों ने मजहबी आधार पर बने राष्ट्र (पाकिस्तान) को नकार कर भाषा एवं संस्कृति पर आधारित बहु-धर्मीय राष्ट्र को स्वीकार किया था। लेकिन अब लोग 1947 की तरफ देख रहे हैं, जब भारत का मजहबी आधार पर विभाजन हुआ था।अब बात चूंकि मुस्लिम पहचान पर आ गई है, तो स्वाभाविक नतीजा यह है कि वहां धार्मिक अल्पसंख्यकों के समान अधिकार की आकांक्षा पर चोट की जा रही है। इस रूप में पूरब की ओर भी पाकिस्तान की धारणा साकार हो रही है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त पर उभर कर सामने आया है, जब भारत उसे वैचारिक चुनौती देने के लिहाज से बेहद कमजोर स्थिति में है। चूंकि भारत में भी अब सत्ता प्रेरित मुख्य विमर्श हिन्दू-मुसलमान पर केंद्रित है, लिहाजा बांग्लादेश में हमेशा से मौजूद रही और अब सिर उठा कर सामने आ चुके महजबी कट्टरपंथी

ताकतों को भी तर्क और ताकत मिल रही है। वैसे शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से वहां मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने भी पाकिस्तान से रिश्तों में गर्माहट लाने की दिशा में ऐसे कई ठोस कदम उठाए हैं, जो भारत के हित में नहीं माने जा सकते। पिछले महीने ही पाकिस्तान का एक मालवाहक पोत कराची से चल कर बांग्लादेश के दक्षिणपूर्वी तट स्थित चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा। 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध के बाद से दोनों देशों में पहली बार सीधा समुद्री संपर्क हुआ है।इससे पहले उनके बीच समुद्री व्यापार सिंगापुर या कोलंबो के जरिए होता था। खुद बांग्लादेश ने इस घटना को पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों में महत्त्वपूर्ण कदम की शुरु आत बताया है। कहा है कि इस रूट पर समुद्री संपर्क बनना दोनों देशों के बीच सप्लाई चेन को आसान बनाएगा, परिवहन के समय में कमी आएगी और आपसी व्यवसाय के लिए नये अवसरों के दरवाजे खुलेंगे।जाहिर है कि यह सीधा समुद्री संपर्क पाकिस्तान और बांग्लादेश के राजनयिक रिश्तों में ऐतिहासिक बदलाव का संकेत है। इसके पहले खबर आई थी कि दोनों देश एक परमाणु सहयोग समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसके तहत पाकिस्तान परमाणु बिजली संयंत्र लगाने में बांग्लादेश की मदद करेगा। पूरा घटनाक्रम भारत के लिए चिंता का पहलू है। आम संबंधों के साथ दोनों देशों के उग्रवादी तत्वों के बीच संपर्क बनना भी आसान हो सकता है। लेकिन इस मामले में भारत कुछ कर सकने की स्थिति में नहीं दिखता।दुर्भाग्यपूर्ण है कि बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के उत्पीडन् को लेकर वहां की अंतरिम सरकार को अंतरराष्ट्रीय कठघरे में खड़ा करने की रणनीति पर राष्ट्रीय आम सहमति बनाने की बजाय भारत में सियासी पार्टीयां खासकर सत्तारूढ़ पार्टी राजनीतिक लाभ उठाने के अभियान में जुटी हुई हैं। भाजपा और उसके सहयोगी उग्र हिन्दूवादी संगठनों की ओर से देश में जगह-जगह बांग्लादेश के खिलाफ और वहां रह रहे हिन्दुओं के समर्थन में प्रदर्शन हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करके उसे सबक सिखाने की बातें हो रही हैं। कहा जा रहा है कि पूरे बांग्लादेश को निबटाने के लिए भारत के दो राफेल विमान ही काफी हैं।बांग्लादेश को बिजली, पानी और दूध की आपूर्ति बंद कर देने की बातें कही जा रही हैं। मगर भारत में यह सब करने और कहने से बांग्लादेश के हिन्दुओं का भला होने की बजाय और नुकसान ही हो रहा है। यही वजह है कि बांग्लादेश नेशनिलस्ट पार्टी की के सदस्य गायेर चंद्र रॉय को कहना पड़ा है कि उनके देश के मामलों में भारत दखलंदाजी करने और बांग्लादेश के राजनीतिक दलों को नियंत्रित करने की कोशिशों से बाज आए। भारत में बांग्लादेश विरोधी उग्र प्रदर्शनों और बयानों के अलावा एक खतरनाक और विभाजनकारी सिलसिला और जारी है, जो आग में घी का काम कर रहा है। यह सिलसिला है-हर पुरानी मस्जिद और दरगाह के नीचे मंदिर ढूंटने का। आए दिन किसी न किसी प्राचीन मस्जिद और दरगाह के नीचे मंदिर होने का दावा किया जा रहा है। उपासना स्थल कानून, 1991 के मुताबिक 15 अगस्त, 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धार्मिक समुदाय के उपासना स्थल को किसी दूसरे धार्मिक समुदाय के उपासना स्थल में नहीं बदला जा सकता।इस कानून की अनदेखी करते हुए निचली अदालतें भी बगैर सोचे-समझे ऐसी मस्जिदों और दरगाहों के पुरातात्विक सर्वे के आदेश धड़ल्ले से जारी कर रही हैं।

-अनिल जैन-

कविता
कोई नहीं पूछता

घटती-घटना
चंद्रकांत खूंटे क्रांति
जांजगीर चांपा छत्तीसगढ़

एक उम्र के बाद
ख्वाहिशें प्रत्युत्तर दे रही है
ज्यों गुजरा निज किशोरापन
जवाबदेही घेर रही है।
कुछ गृह की उत्तरदायी
कुछ आत्मनिर्भर होने के भाव
ये सैद्धांतिक पढ़ाई और
रोजी-रोजगार का अभाव।
बाहर कमाने की सोंच
फरि कुल-कुटुम्ब से लगाव
ये शासन की पंचवर्षी नीतियाँ
ऊपर से उत्कोच का जुड़ाव।
एकांत हो या जलसा में
युवकों का हाल कोई नहीं पूछता
पूछते हैं तो केवल तनख्वाह
और शासकीय नौकरी ही सूझता।
मन में अनादर निंदा कौंधकर
अत्यंत गहरी हो जाती है
मानो दीमक की भाँति
अंतस्थल को निगल जाती है।
हे युवाओं! इसलिए कमाओं
कर्म हेतु नई तरकीब लगाओं
सर्वत्र नजरों में हो तश्ख़ीस
ऐसा इंद्रिय शक्तियों को जगाओं।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

चोरी के मामले में बादी गिरोह के सरगना अनिल गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

चोरी के मामल में सीतापुर पुलिस ने बादी गिरोह के सरगना अनिल बादी को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने इसका सहयोगी एक नाबालिग को भी पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

प्रार्थी सुहेल खान ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 23 सितंबर 2024 को रोज की तरह रात को अपना दुकान को बंद करके अपने घर चला गया था। दूसरे दिन सुबह करीबन दुकान खोला तो देखा कि दुकान के पीछे का दिवाल में सेंध लगा था, समान का मिलान किया तो दुकान का किराना सामान तेल, पान मशाला, गुडाखु, बिस्कीट, दाल, कास्मेटिक समान, साबुन, सर्फ व दुकान में रखा नगदी रकम मेरे दुकान में नहीं था। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया हैं, प्रार्थी कि रिपोर्ट

पर थाना सीतापुर में धारा 331(4) 305, 317(2), 112, 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले के संदेही का पता तलाश किया जा रहा था, पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले के आरोपी अनिल पावले व अजय पावले फरार थे, अनिल पावले को उसके सकूनत से हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर घटना दिनांक को जलिन्दर सिंह, व अजय पावले के साथ चोरी करना स्वीकार किया एवं घटना में प्रयूक्त लोहे का सब्बल तथा चोरी गये रकम में से 370 रूपया पेश किया। आरोपी द्वारा अपना नाम अनिल कुमार पावले पिता धनपाल पायले उम्र 34 वर्ष साकिन कपाटबहरी तेदुपारा थाना सीतापुर जिला सरगुजा का होना बताया गया। आरोपी एवं विधि से संघर्षरत अपचारी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे का सब्बल बरामद किया गया हैं, आरोपी एवं विधि से संघर्षरत अपचारी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

पूर्व उप मुख्यमंत्री ने राम मंदिर,बाबरी मस्जिद और सुप्रीम कोर्ट पर की टिप्पणी,थाने में हुई शिकायत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

राम मंदिर व बाबरी मस्जिद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की गलत व्याख्या करने का आरोप लगाकर शहर के निलेश सिंह ने पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के खिलाफ कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने बताया है कि यह बयान जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित सभा में सिंहदेव द्वारा कही गई है। इससे विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता फैलेगी तथा सौहार्द्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उनका यह बयान धार्मिक आस्था पर कुठाराघात करता है।सेंट्रल स्कूल के सामने अजिरमा निवासी निलेश सिंह ने थाने में दी गई शिकायत में बताया है कि टीएस सिंहदेव द्वारा भाषण में कहा गया कि ÷राम जन्म भूमि एवं बाबरी मस्जिद के प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो फैसला सुनाया गया, उसमें किसी जज के हस्ताक्षर नहीं हैं। उन्होंने बताया कि यह बात सोशल मीडिया में डाले गए पोस्ट में उक्त भाषण देखा है। इसमें जजों द्वारा भारत के सभी कानूनों एवं संविधान के खिलाफ नियम विरुद्ध फैसला देने की बात सिंहदेव द्वारा कही गई है। निलेश सिंह का कहना है कि सिंहदेव का यह भाषण सुप्रीम कोर्ट के प्रति अविश्वास उत्पन्न करने वाला है। यह विभिन्न समुदायों मे परस्पर हिंसा हो बढ़ावा देने वाला है। निलेश सिंह ने बताया है कि वे हिन्दू धर्म एवं मान्यताओं को मानने वाले हैं। सिंहदेव ने राम जन्म भूमि एवं बाबरी मस्जिद के प्रकरण को गलत ढंग परिभाषित करते हुए यह बताने का प्रयास किया गया कि आज अयोध्या में जहां राम मंदिर बना है उसे कानून के प्रावधानों के विपरीत मात्र लोगों को संतुष्ट करने के उददेश्य से जजों द्वारा फैसला दिया गया है उन्होंने बताया है कि भाषण का वीडियो देखकर उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने टीएस सिंहदेव के खिलाफ बीएनएस की धारा 196 (1) एवं 299 के तहत अपराध दर्ज करने की मांग की है।

पार्टी की आंतरिक बैठक में पूर्व उपमुख्यमंत्री के द्वारा दिया गया बयान घ्यान से सुनना चाहिए जिसमें उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देश मे सौहार्द स्थापित करने वाला बताया है। फैसले की सच्चाई सामने न आ जाये इस डर से भयभीत संघी व भाजपाई तथ्यों को तोड़-मरोड़कर साम्प्रदायिकता फैलाने के अपने दैनिक कार्य मे लगे हैं। संघी और भाजपाई पहले इस बात का जवाब दे कि रामलला विराजमान की वो प्रतिमाएं कहाँ हैं जो टेंट में थी और जिनके लिए राममंदिर स्थापना का आंदोलन हुआ। उन्हें अबतक निर्माणाधीन राममंदिर में क्यों नहीं स्थापित किया गया है।

राकेश गुप्ता,
जिलाध्यक्ष, डी सी सी

गांजा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रही महिला गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने गांजा बिक्री करते एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

कोतवाली पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की प्रतिभा नामक महिला झोले में गांजा लेकर दिवान तालाब के पास बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रही है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर महिला को हिरासत में लेकर तलाशी ली तो झोले में 620 ग्राम गांजा पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी महिला लमगांव उपरपारा थाना लखनपुर निवासी प्रतिमा मानिकपुरी पति अरविन्द पाडवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

गांजा सेवन करते दो पकड़ाए

कोतवाली पुलिस ने गांजा सेवन करते दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में संदीप मानिकपुरी निवासी रानीसती मंदिर के पास सतीपारा व विक्रम गढेवाल निवासी पुराना पंचायत भवन के पास खैरबार शामिल है। ये दोनों आरोपी सार्वजनिक स्थान पर बैठकर गांजा सेवन कर रहे थे।

टी. एस. सिंहदेव तुष्टिकरण की राजनीति करके समाज में नफरत का बीज बोने का प्रयास कर रहे हैं:अभिमन्यु गुप्ता

आमजन में संविधान एवं माननीय उच्चतम न्यायालय के प्रति अविश्वास फैलाने का काम कर रहे हैं टी एस सिंहदेव:मधुसूदन शुक्ला

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मधुसूदन शुक्ल के नेतृत्व में भाजपाईयों ने पूर्व मंत्री टी एस सिंहदेव का पुतला दहन किया वहीं हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक निलेश सिंह के साथ बड़ी संख्या में कोतवाली पहुंच कर लोगों ने एफ आई आर दर्ज करने की मांग की।

स्थानीय घड़ी चौक पर पुतला दहन के दौरान भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस के सभा में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर प्रश्नचिह्न लगाना दुर्भाग्यपूर्ण है, टी एस सिंहदेव के भाषण में कोर्ट के फैसले को गलत बता कर समाज में नफरत फैलाने के प्रयास का हम निंदा करते हैं।

नगर मंडल अध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला ने टी एस सिंहदेव के कथन का निंदा करते हुए कहा कि जिला कांग्रेस कार्यालय अंबिकापुर के आयोजित सभा में राम मंदिर एवं बाबरी मस्जिद पर दिए गए माननीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की गलत व्याख्या करके अंबिकापुर विधायक एवं पूर्व मंत्री टी एस सिंहदेव ने हिंदुओं की धार्मिक आस्था पर चोट पहुंचने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि सभा में संबोधन के दौरान टी एस सिंहदेव ने कहा कि राम जन्मभूमि एवं बाबरी मस्जिद के प्रकरण में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा जो फैसला सुनाया गया उसमें किसी जज के हस्ताक्षर नहीं है और जजों ने भारत के सभी कानून एवं संविधान के खिलाफ नियम विरुद्ध फैसला दिया। इस कथन का घोर निंदा करते हुए मधुसूदन शुक्ला ने कहा कि ऐसे भाषण से आमजन में संविधान एवं माननीय उच्चतम न्यायालय के प्रति अविश्वास एवं हिन्दू मुस्लिम के बीच शत्रुता बढ़ेगा और सौहार्द पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। टी एस सिंहदेव तुष्टिकरण की राजनीति करके समाज में नफरत का बीज बोने का प्रयास कर रहे हैं।

टी एस सिंहदेव के भाषण में राम जन्मभूमि और बाबरी मस्जिद पर टिप्पणी वाले सोशल मीडिया में वायरल वीडियो से आहत निलेश सिंह ने कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत तरीके से प्रस्तुत करके आम जनों में अविश्वास की भावना फैलाई जा रही है, और समुदाय विशेष लोगों को खुश करने के लिए हमारी धार्मिक आस्था पर कुठाराघात करने का प्रयास किया गया है, जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। बड़ी संख्या में कोतवाली पहुंच कर इस विषय पर उन्होंने एफ आई आर दर्ज करने की मांग की है।

इस दौरान अंबिकेश केशरी, विनोद हर्ष, मंजूषा भगत, रेणुका सिंह, इंद्र भगत, रुपेश दुबे, निश्चल सिंह, मनीष सिंह, अजय प्रताप सिंह, गोल्डी बिहाड़े, शरद सिन्हा, विकास वर्मा, निरंजन दास, पंकज गुप्ता, निशांत सिंह, शैलू सिंह सरस्वती, नीलम रजवाड़े, प्रियंका चौबे नलिनी पांडे, कमलेश तिवारी, नकुल सोनकर श्याम गुप्ता, महेश जैसवाल , अजय सोनी सक्षम गुप्ता , निरंजन तिर्की, मनोज प्रसाद ,मनीष बारी दीपक यादव , विकास सोनी राजा चावर, वीर सोनी , छोटू पांडे , रजनीश सिंह , अंशुल अग्रहरि, संगीता सोनी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

उम्र की परवाह किए बगैर 61 वर्षीय संगीता सग्गर ने किया रक्तदान

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

रेड क्रॉस सोसाइटी अध्यक्ष कलेक्टर के निर्देशानुसार 16 दिसंबर को होली क्रॉस कॉलेज अंबिकापुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में संगीता सग्गर सहित 19 छात्राओं ने रक्तदान किया। रक्तदान केवल एक शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा का प्रतीक है। जब 61 वर्षीय संगीता सग्गर ने रक्तदान किया, तो उन्होंने सिर्फ रक्त नहीं दिया, बल्कि समाज को एक गहरा संदेश दिया। उन्होंने यह सिद्ध कर

दिया कि उम्र केवल एक संख्या है, जब बात समाज सेवा की हो, तो हर व्यक्ति को आगे आना चाहिए। उनका यह प्रेरणादायक कदम न केवल उम्र की सीमा को चुनौती देता है, बल्कि यह हमें यह समझाने में मदद करता है कि रक्तदान सभी के लिए आवश्यक और अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका समर्पण और साहस सभी के लिए एक आदर्श बन गए हैं।

इस रक्तदान शिविर में रेड क्रॉस सोसाइटी सरगुजा के चेयरमैन आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, वाइस चेयरमैन पुष्पा सिंह, आजीवन सदस्य आकांक्षा श्रीवास्तव, आर्यन सिन्हा, होली क्रॉस यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी की प्रभारी दिव्या सिंह, मिस अंजना और कॉलेज के स्टाफ ने सहभागिता की। मेडिकल टीम से डॉ. शिवानी ठाकुर, काउंसलर अंजना मिश्रा, टेक्नीशियन सुनील कुजूर, नगीना सिन्हा, सिस्टर सिद्धू रजवाड़े और पार्टमेडिकल स्टूडेंट्स राजा गुप्ता, अजय साहू ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नेटबॉल खिलाड़ी ओमप्रकाश ने जीते सिल्वर मेडल

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता लुधियाना, पंजाब में आयोजित 11 से 17 दिसम्बर तक आयोजित था। प्रतियोगिता में मैनपाट निवासी किसान धर्मवीर यादव का बेटा नेटबॉल खिलाड़ी ओमप्रकाश ने प्रतियोगिता में शमिल होकर सिल्वर मेडल जीतकर अपने परिवार व जिले का नाम रोशन किया है। ओमप्रकाश अंबिकापुर में रहकर नेहरू विद्या मंदिर विद्यालय में पढ़ाई करता है। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि ओम प्रकाश यादव बहुत ही मेहनती खिलाड़ी है जो गांव से चलकर शहर में किराया का मकान रहकर पढने के साथ सुबह- शाम गांधी स्टेडियम में नियमित अभ्यास करता है। जिसके बदौलत आज खेल में बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

वॉल्ट एवं सेटलमेन्ट की रकम लेकर फरार फायनेंस कंपनी का शाखा प्रबंधक गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

वॉल्ट एवं सेटलमेन्ट की रकम लेकर माइक्रोफायनेंस कंपनी के शाखा प्रबंधक फरार हो गया था। रिपोर्ट पर लुण्ड्रा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार लुण्ड्रा में प्रयत्न माइक्रोफायनेंस कंपनी का शाखा संचालित था। फायनेंस कंपनी द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार करने के लिए ऋण वितरण करता था। महिलाएं छोटी-छोटी किस्तों में लोन की राशि भुगतान करते थ। पिछले तीन वर्षों से महिलाओं द्वारा लोन का भुगतान किया जा रहा था। शाखा प्रबंधक प्रमोद पिता जगन्नाथ ग्राम नौगवां थाना विन्ध्याचंल मिर्जापुर यूपी द्वारा वॉल्ट एवं सेटलमेंट की रकम 54 हजार 825 रुपए कंपनी के नियम के विरूद्ध लेकर चला गया था। पीड़ितों ने मामले की रिपोर्ट लुण्ड्रा थाना में दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लुण्ड्रा उप निरीक्षक शिशिरकांत सिंह, आरक्षक दीपक पाण्डेय, बाल्केश्वर सिंह, विकास मिश्रा, वीरेंद्र खलखो, निरंजन बड़ा शामिल रहे।

चावल के स्टॉक में मिला अंतर,राइस मिल पर हुई कार्यवाही,किया गया सील

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशानुसार संयुक्त दल राजस्व जिला विपणन अधिकारी, खाद्य, विद्युत, मण्डी एवं उद्योग विभाग द्वारा लुण्ड्रा स्थित माँ महामाया फुड प्रोडक्ट बहेराडीह मिल की जांच की गई। जाँच में मिल के संचालक अंकुर हाड़ा भी मौजूद रहे।

उक्त जानकारी देते हुए खाद्य अधिकारी ने बताया कि मौके पर मिल का भौतिक सत्यापन किया गया जिसमें धान का स्टाक 13274 बोरी (मात्रा लगभग 5309. 60 क्विंटल) एवं चावल का स्टाक 2254.87 क्विंटल उपलब्ध पाया गया। संचालक द्वारा स्टाक रजिस्ट्रर मांगने पर प्रस्तुत नहीं किया गया तथा संचालक द्वारा कस्टम मिलिंग 2023-24 का सीएमआर चावल 8410 क्विंटल जमा किया जाना शेष है।

उक्त जांच में संचालक के बयान अनुसार स्टाक में 1728 क्विंटल चावल का अंतर पाया गया है। धान और चावल वास्तविक में आंकलन करने पर 5812.30 क्विंटल एवं एफसीआई अमदला में 870 क्विं चावल जमा हेतु संचालक राईस मिल द्वारा भेजा गया है।

चावल का स्टाक में अंतर पाये जाने एवं राईस मिल संचालक द्वारा सीएमआर चावल एफसीआई में जमा नहीं किये जाने के कारण मौके पर उपस्थित पंचगण के समक्ष धान का स्टाक 13274 बोरी (मात्रा लगभग 5309.60 क्विंटल) एवं चावल का स्टॉक 2254.87 क्विंटल जप्त कर मिल संचालक सुपुदर्गी में दिया गया एवं मिल को मौके पर सील किया गया।

खत्म हो गया था नियंत्रण...

ड्रोन पायलट ने बताया न्यू जर्सी यूएफओ के साथ कैसे हुई मुठभेड़

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2024। अमेरिका के न्यू जर्सी के एक सैन्य सुविधा पिकाटनी आर्सेनल के पास एक हैरान कर देने वाली घटना हुई। यहां पर पिछले कुछ समय कई ड्रोन उड़ते हुए नजर आ रहे हैं। इसके बाद माइकल बी नामक एक शख्स जो पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर और YouTube चैनल चलाते हैं, उन्होंने इस रहस्य की जांच का फैसला किया। इसके बाद वह जांच के लिए रात के अंधेरे में पहुंचे।

इस दौरान उनके साथ एक अजीब घटना हुई। ड्रोन पायलट का दावा है कि उसके उपकरण की शक्ति चली गई और उसे प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र से नीचे उतरना पड़ा। हालांकि जिस रहस्यमयी विमान की जांच के लिए वह पहुंचे थे, उसे निष्क्रिय कर दिये बावजूद इसके वह हवा उड़ता रहा। उन्होंने कहा,एक ड्रोन बस लटका हुआ था। मेरी बैटरी पूरी तरह से चार्ज हो चुकी थी। उड़ान भरने के 3 मिनट बाद ही, मैंने ड्रोन पर से नियंत्रण खो दिया।

सेना ने क्या कहा?

इस घटना को लेकर सेना के प्रवक्ता ने कहा कि ड्रोन गतिविधि की हालिया घटनाओं के बाद, पिकाटनी आर्सेनल पर 26 दिसंबर तक के लिए अस्थायी उड़ान प्रतिबंध लागू किया गया है। ड्रोन देखे जाने के जवाब में, संघीय उड्डयन प्रशासन (FA) भी जाँच कर रहा है, और बेडमिनस्टर में ट्रम्प नेशनल गोल्फ़ क्लब सहित आस-पास के क्षेत्रों पर अतिरिक्त उड़ान प्रतिबंध लगाए गए हैं।

क्या बोले पायलट

जानकारी के अनुसार माइकल बी ने कहा कि वह पिकाटनी आर्सेनल के पास अपना ड्रोन उड़ा रहा था,जब उसकी स्क्रीन पर एक चेतावनी चमकी और बैटरी अचानक खत्म हो गई। ड्रोन नीचे जाने लगा। बैटरी खत्म हो गई। अपने ड्रोन के नीचे उतरने के बावजूद, जिस अज्ञात उपकरण की वह जांच कर रहा था, वह हवा में ही रहा, जिससे घटना के बारे में और सवाल उठे।

हालांकि,प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने पर GPS-सक्षम ड्रोन को ज़मीन पर उतारना या उतरने के लिए मजबूर करना आम बात है, लेकिन रहस्यमय ड्रोन के इर्द-गिर्द की सटीक परिस्थितियाँ अभी भी अस्पष्ट हैं। पिकाटनी आर्सेनल के आस-पास के क्षेत्र में ड्रोन देखे जाने की रिपोर्ट में वृद्धि देखी गई है, जिसके कारण आधिकारिक जाँच की आवश्यकता है।

लोगों के लिए चिंता की बात

बता दें कि ड्रोन के इर्द-गिर्द रहस्य ने लोगों में चिंता पैदा कर दी है। न्यू जर्सी राज्य के सीनेटर जो पेनाचियो ने हाल ही में संघीय जांच की मांग की और यहां तक कि राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प को एक पत्र भी भेजा, जिसमें उत्तरों की कमी पर निराशा व्यक्त की गई।

ड्रोन को प्रतिबंधित क्षेत्रों में उड़ान भरने से रोकने के लिए बनाए गए नियमों के बावजूद, विशेषज्ञों का सुझाव है कि ऐसे प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए कुछ ड्रोन के साथ छेड़छाड़ की गई हो सकती है या उन्हें हैक किया गया हो सकता है। कुछ दिन पहले, संघीय अधिकारियों ने एक चीनी नागरिक के खिलाफ वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस की तस्वीरें लेने के लिए एक संशोधित ड्रोन का उपयोग करने के आरोप दायर किए।

पीएम मोदी के पोस्ट पर बांग्लादेश ने जताई आपत्ति

कहा-1971 की जीत हमारी है; भारत सिर्फ सहयोगी था

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2024। शेख हसीना के तख्तापलट के बाद पहली बार 16 दिसंबर को बांग्लादेश ने आजादी का जश्न मनाया। सोमवार को अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने देश को संबोधित भी किया। बांग्लादेश ने ढाका तो भारत ने कोलकाता में बांग्लादेश की आजादी पर कार्यक्रमों का आयोजन किया। मगर इस बीच बांग्लादेश के एक मंत्री ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोस्ट पर आपत्ति जताई।

पीएम मोदी ने किया भारत के ऐतिहासिक जीत का जिक्र

1971 युद्ध पर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया। उन्होंने आगे लिखा कि सैनिकों के निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने हमारे देश की रक्षा की और हमें गौरव दिलाया। यह दिन उनकी असाधारण वीरता और अडिग भावना को श्रद्धांजलि है। उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। देश के इतिहास में गहराई से समाया रहेगा।

भारत सिर्फ सहयोगी था:नजरुल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की ऐतिहासिक जीत का जिक्र अपने एक्स पोस्ट पर किया। मगर बांग्लादेश के कानून मंत्री आसिफ नजरुल ने इस पर आपत्ति जताई। सोमवार को नजरूल ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि 1971 की जीत बांग्लादेश की जीत है। इसमें भारत केवल एक सहयोगी था।

हर साल विजय दिवस मनाता है बांग्लादेश

बता दें कि 16 दिसंबर 1971 को ही बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी मिली थी। स्वतंत्र बांग्लादेश के निर्माण में भारत की अहम भूमिका थी। भारतीय सेना की बदौलत बांग्लादेश अस्तित्व में आया। 16 दिसंबर को हर साल बांग्लादेश विजय दिवस मनाता है। इस बार बांग्लादेश ने अपना 54वां विजय दिवस मनाया है। खास बात यह है शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद यह पहला कार्यक्रम था।

यूनुस के भाषण में शेख मुजीबुर्रहमान का जिक्र नहीं

54 वें विजय दिवस पर अपने संबोधन में मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान का जिक्र तक नहीं किया। मगर उनकी बेटी शेख हसीना के शासन को दुनिया की सबसे खराब निरंकुश सरकार जरूर बताया। पांच अगस्त को छात्र आंदोलन की वजह से शेख हसीना को अपना देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद से बांग्लादेश की कमान नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के हाथों में है।

पैसे बचाने लिए श्रीलंकाई सरकार ने उठाया बड़ा कदम, पूर्व राष्ट्रपतियों की सुरक्षा में की जाएगी कटौती

कोलंबो,17 दिसम्बर 2024। श्रीलंका की सरकार ने वार्षिक बचत के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपतियों को प्रदान की जाने वाली अत्यधिक व्यक्तिगत सुरक्षा में कटौती करने का फैसला लिया है। सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि पूर्व राष्ट्रपतियों को प्रदान की गई कार्मिक सुरक्षा एक जनवरी से कम कर दी जाएगी। श्रीलंकाई मंत्री आनंद विजेपाला ने मंगलवार को कहा कि सरकार का उद्देश्य पूरे देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। उन्होंने इस फैसले को सरकार की नीति के अनुरूप बताया।

पूर्व राष्ट्रपतियों को दी जाने वाली सुरक्षा में कटौती

विजेपाला ने सरकार के इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा,

हमने देश से वादा किया है कि उच्च सार्वजनिक पदों पर तैनात लोगों को भी आम नागरिकों की तरह सुविधा प्रदान की जाएगी। हम सड़कों पर बड़े वीआईपी काफिलों के कारण जान लगने की प्रथा को समाप्त करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 2024 के दौरान पूर्व राष्ट्रपतियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए 1,448 मिलियन खर्च हुए हैं। इस कठिन समय में यह लोगों पर बोझ है।

पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे का खर्च सबसे अधिक था। उन्होंने कहा, हमने व्यक्तिगत तौर पर पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को निशाना नहीं बनाया है। हम सभी राष्ट्रपतियों की बात कर रहा हूं। उन्हें अब केवल 60 पुलिसकर्मी उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकार के इस फैसले पर विपक्षी पार्टी राजपक्षे की श्रीलंका पोडुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) ने प्रतिशोध की एक राजनीतिक कार्रवाई करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि उन्हें अभी भी लिट्टे (एलटीटीई) से खतरा है।

बता दें कि राजपक्षे को लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) पर जीत का श्रेय दिया जाता है। लिट्टे ने लगभग 30 वर्षों तक श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में एक अलग तमिल मातृभूमि के लिए सैन्य अभियान चलाया था।

शपथ से पहले ट्रंप की बढ़ी मुश्किलें

पोर्नस्टार मामले में कोर्ट से नहीं मिली राहत

न्यूयॉर्क,17 दिसम्बर 2024। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शपथग्रहण से पहले बड़ा झटका लगा है। एक पोर्न स्टार को पैसे देने के आपराधिक मामले में अमेरिकी कोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा है। राष्ट्रपति को मुकदमे से छूट को लेकर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के आधार पर उनकी दोषसिद्धि रद करने की अपील की गई थी।

शपथ से पहले ट्रंप को झटका

ट्रंप अगले वर्ष 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा। न्यूयार्क

के जज जुआन एम मर्चेन ने सोमवार को अपना निर्णय सुनाया। ट्रंप के वकीलों ने उनकी दोषसिद्धि रद करने की मांग की थी। इसके लिए उन्होंने राष्ट्रपति को मुकदमे से छूट को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का हवाला दिया। लेकिन जज ने उनकी दलीलों को खारिज कर दिया। जबकि अभियोजकों ने कहा कि यह मामला राष्ट्रपति के रूप में आधिकारिक कृत्यों नहीं बल्कि ट्रंप के व्यक्तिगत आचरण से संबंधित है।

ट्रंप को ठहराया था दोषी

बता दें कि गत मई में एक ज्यूरी ने ट्रंप को 2016 में पोर्न स्टार स्टार्मी डेनियल को 130,000 डालर के भुगतान से संबंधित कारोबारी रिकार्ड में हेराफेरी करने का दोषी ठहराया था। यह भुगतान पोर्न स्टार को अपना मुंह बंद रखने के लिए किया गया था। किसी पूर्व राष्ट्रपति को आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने का यह पहला मामला था। इसके एक महीने बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि पूर्व राष्ट्रपतियों पर आधिकारिक कृत्यों के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है।

इजरायल का कब्जे वाले गोलान हाइट्स में बस्तियों के विस्तार का ऐलान

यरूशलम,17दिसंबर 2024। इजरायल सरकार ने गोलान हाइट्स में बस्तियों के विस्तार की योजना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। गोलान हाइट्स सीरिया का एक क्षेत्र है, जिस पर वर्तमान में इजरायल का कब्जा है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक रविवार को जारी बयान में कहा गया कि 10.81 मिलियन डॉलर की योजना को कैबिनेट द्वारा सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। इस योजना को युद्ध और सीरिया के साथ नए मोर्चे के मद्देनजर आगे बढ़ाया जा रहा है।

बयान के अनुसार, इस योजना का लक्ष्य गोलान हाइट्स में इजरायली आबादी को दोगुना करना है। इसमें एक छात्र गांव की स्थापना, नए निवासियों के लिए डेवलपमेंट प्रोग्राम और शिक्षा प्रणाली और नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की पहल शामिल है।

नेतन्याहू ने रविवार को कैबिनेट बैठक की शुरुआत में योजना पर कहा, गोलान को मजबूत करना इजरायल राज्य को मजबूत करना है और यह इस समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

गुरू घासीदास जयन्ती के अवसर पर 18 दिसम्बर को पशुवध गृह रहेंगे बंद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नगर पालिका निगम अम्बिकापुर आयुक्त ने बताया कि स्थानीय शासन विभाग के आदेशानुसार 18 दिसम्बर 2024 को गुरू घासीदास जयन्ती के अवसर पर पशुवध गृह बन्द रखे जाएंगे। उन्होंने समस्त मांस, मछली, बकरा, बकरी, मुर्गा, मुर्गी विक्रेताओं को सूचित किया है कि गुरू घासीदास जयन्ती पर मांस, मछली, बकरा, बकरी, मुर्गा, मुर्गी का वध एवं विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने उपरोक्त तिथि को पशु वध एवं मांस विक्रय न किए जाने के निर्देश दिए हैं।

19 दिसंबर से शुरू होगी रायपुर-अंबिकापुर हवाई यात्रा

» सांसद चिंतामणि महाराज स्वयं आयेंगे पहली फ्लाइट से

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

आगामी 19 दिसंबर को रायपुर अंबिकापुर हवाई यात्रा शुरू होगी। इस संबंध में सांसद श्री चिंतामणि महाराज द्वारा जानकारी दी गई है। वे स्वयं पहली फ्लाइट से रायपुर से अंबिकापुर पहुंचेंगे और सुविधाओं का निरीक्षण करेंगे।

उन्होंने बताया कि नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राममोहन नायडू से आत्मीय भेंट कर सरगुजा क्षेत्र के माँ महामाया एयरपोर्ट दरिमा से हवाई यात्रा शुरू किए जाने के संदर्भ में चर्चा की गई एवं केंद्रीय नागरिक उड्डयन सचिव वी. वुअलनाम से भी इस मामले पर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान ज्ञात हुआ कि इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन हवाई अड्डा कोड, जिसे स्थान पहचानकर्ता के रूप में भी जाना जाता है, प्राप्त ना होने के कारण ही विमान संचालन में विलंब हो रहा है। सांसद श्री चिंतामणि ने उक्त विषयों को ध्यान में लाते हुए तत्काल इन्हें दूर करने का अनुरोध किया है। साथ ही इसके संबंध में अतिरिक्त व्यय होने पर अपने वेतन से राशि देने एवं अन्य वैकल्पिक व्यवस्थाओं से पूर्ति करने की बात कही।

सांसद श्री चिंतामणि ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मां महामाया एयरपोर्ट, दरिमा से प्रथम यात्रा 19 दिसंबर को प्रारंभ होगी, जो रायपुर से अंबिकापुर तक होगी। उन्होंने बताया कि वे स्वयं भी प्रथम यात्री के रूप में यात्रा करेंगे और समस्त सुविधाओं कार्यों का निरीक्षण करेंगे।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राममोहन नायडू एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, सहित प्रशासकीय जन, व्यवस्थापकों को साधुवाद एवं क्षेत्र की जनमानस को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

कलेक्टर प्रशासनिक अमले के साथ पहुंचे उदयपुर और लखनपुर के दूरस्थ क्षेत्रों में...

» धान उपार्जन केंद्रों,स्कूलों,स्वास्थ्य केंद्र निरीक्षण सहित मुख्यमंत्री अन्न कोष योजना की हितग्राही पहाड़ी कोरवा महिलाओं से की मुलाकात

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोसकर ने मंगलवार को प्रशासनिक अमले के साथ उदयपुर और लखनपुर क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने धान उपार्जन केंद्रों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण और मुख्यमंत्री अन्न कोष योजना के तहत पहाड़ी कोरवा बसाहटों में गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं से मुलाकात की।

कलेक्टर श्री भोसकर ने लखनपुर क्षेत्र अंतर्गत धान खरीदी केंद्र मेंड्राकला, पुहपुटरा, लोसगा, कुन्नी और उदयपुर के केदमा धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने धान बेचने आए किसानों से सीधे बात की और धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधाओं पर फीडबैक लिया। किसानों ने कलेक्टर के समक्ष सभी व्यवस्थाओं पर संतुष्टि जताई। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री भोसकर ने किसानों को माइक्रो एटीएम का इस्तेमाल करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा माइक्रो एटीएम की सुविधा दी गई है जिससे एक किसान प्रतिदिन 10 हजार रुपए तक निकल सकता है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा का लाभ आवश्यकता अनुरूप जरूर उठाएं। उन्होंने किसानों के समक्ष इसकी प्रक्रिया भी करके दिखाई। जिले के पायलट प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री अन्न कोष योजना का जायजा लेने कलेक्टर श्री भोसकर फील्ड में पहुंचे। उदयपुर के खर्रा नगर में पहाड़ी कोरवा महिलाओं से मुलाकात कर उन्हें अन्न कोष योजना की जानकारी दी और अतिरिक्त पोषण आहार भी वितरित किया। कलेक्टर श्री भोसकर ने महिलाओं से अपील की कि वे गंभीरता से इस अभिनव में प्रशासन का सहयोग करें और स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें जिससे वे एवं शिशु दोनों ही स्वस्थ और सुरक्षित रह सकें।

इसी तरह कलेक्टर ने प्रशासनिक टीम के साथ शासकीय प्राथमिक शाला बंधा, प्री मैट्रिक बालक छात्रावास कुन्नी एवं अरगोती तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुन्नी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बालक छात्रावास केदमा में बच्चों के साथ बैठ भोजन किया और अतिरिक्त कक्ष की मांग संज्ञान में आने पर यहां दो अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु प्रस्ताव भेजने सीईओ जनपद पंचायत को निर्देशित किया। इस दौरान एसडीएम उदयपुर श्री बनसिंह नेताम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्री ललित शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अशोक सिन्हा, सहित जिला स्तरीय एवं खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

CMYK

क्या जिला कांग्रेस संगठन में पूछ परख नहीं रह गई अब बैकुण्ठपुर जनपद उपाध्यक्ष की ?

संगठन के किसी भी बैठक में न हीं दिख रही हैं, और न ही बैठक में शामिल होने की आ रही है फोटो

बैठकों में बुलावा नहीं मिलता या कांग्रेस से दूरी बनाना और बीजेपी के नजदीकी आने का प्रयास है जनपद उपाध्यक्ष का ?

क्या उपाध्यक्ष द्वारा चंद कांग्रेसियों को सीढ़ी बनाकर किया गया था स्वार्थ पूरा ?

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कांग्रेस पार्टी का समर्थन भी संदेह के घेरे में

विगत विधानसभा चुनाव में भी पार्टी के प्रति निष्ठा पर उठा था सवालिया निशान...बीजेपी में शामिल होने की सुगबुगाहट शुरू

कांग्रेस पार्टी से विधायक की दावेदार थी, अब क्या बीजेपी में जाकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष की दावेदार बनेंगी...या फिर वहां भी विधायक की दावेदारी पेश करेंगी ?

क्या भाजपा सरकार में जनपद उपाध्यक्ष पति नियमित स्कूल पढ़ाने जाएंगे या फिर कांग्रेस सरकार जैसा हाल रहेगा ?

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एक शिक्षक अपनी पत्नी के सहारे राजनीति की सीढ़ी चढ़ रहे थे और इस सीढ़ी पर वह चढ़ने का प्रयास तो निचले पायदान से शुरुआत की,लेकिन बहुत तेजी से ऊपर पायदान पर पहुंचने का उनका गलतियों वाला प्रयास उनको भारी पड़ गया। जनपद चुनाव अपनी पत्नी को लड़वाया और फिर उन्हें बैकुंठपुर का जनपद उपाध्यक्ष बनाया। इन सभी प्रक्रिया में उन्होंने कांग्रेस पार्टी का खूब प्रयोग किया। कांग्रेस के विधायक से लेकर कांग्रेस के युवा नेताओं को भी खूब इस्तेमाल किया। उसके बाद वह चुनाव में खर्च हुए धन के अर्जन में जुट गए और क्षेत्र के पंचायत में हो रहे कार्यों में भ्रष्टाचार भी देखने को मिला। पर इसी दौरान उन्होंने सीढ़ी के अंतिम छोर में पहुंचने के लिए वह विधायक बनने का ख्वाब देखने लगे। उसमें भी उनके कांग्रेस पार्टी के ही लोगों ने खूब सपोर्ट किया और उन्हें विधायक का दावेदार कांग्रेस के लिए बनाया। यह बात अलग है कि उन्हें मौका नहीं मिला और वह चूक गई, पर वहीं से वह सीढ़ी के निचले पायदान पर फिर आकर खड़ी हो गई और जिस पार्टी के दम पर उन्होंने जनपद चुनाव जीता, उपाध्यक्ष बनी अब उन्हीं से वह किनारा कर चुकी है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि अब पार्टी के किसी भी कार्यक्रम में वह जाती नहीं दिख रही हैं। अब सिर्फ वह फिर से जनपद व जिला पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं। अब देखना यह है कि इस बार वह कांग्रेस को तो छोड़ चुकी नजर आ रही है। अब क्या भाजपा की तरफ उनका झुकाव दिख रहा है? क्योंकि वह अभी भी मतलब की राजनीति को देखते हुए भाजपा की तरफ से अपने आप को आगामी विधानसभा में विधायक प्रत्याशी बनवाने का ख्वाब शायद देख रही हैं? यही वजह है कि वह इस बार जनपद नहीं,जिला पंचायत लड़ने की सोच रही हैं। ताकि यह चुनाव जीत कर जिला पंचायत उपाध्यक्ष बन जाए और फिर बीजेपी से विधायक प्रत्याशी बन जाएं ऐसा वह सोच रही हैं। क्योंकि एक तो बड़े समाज वर्ग से आती हैं और राजनीति को भुनाना जानती हैं। अभी वर्तमान में जब क्षेत्र की सांसद महोदया का आगमन कोरिया जिले में हुआ या, भूतपूर्व विधानसभा अध्यक्ष और वर्तमान सांसद पति चरण दास महंत का आगमन हुआ, प्रदेश प्रभारी का आगमन उपाध्यक्ष के गृह क्षेत्र में हुआ, इन सभी कार्यक्रमों में उपाध्यक्ष नदारद रहीं। अब इन कार्यक्रमों में उनके नदारद रहने का कारण क्या था, यह तो वही जाने। परंतु पार्टी में ही जो खुसर पुसर सुनाई देती है, उसके अनुसार जिला कांग्रेस संगठन अब उन्हें किसी कार्यक्रम के लिए न्यौता ही नहीं देता। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि बीजेपी में जाने की अटकलों के कारण जनपद उपाध्यक्ष ने कांग्रेस पार्टी से दूरी बना ली है। कांग्रेस पार्टी से दूरी बनाने की एक वजह यह भी हो सकती है कि जिन माध्यमों को सीढ़ी बनाकर जनपद उपाध्यक्ष ने यहां तक का सफर तय किया था, अब वह साथी काफी पीछे छूट चुके हैं।

क्या भाजपा सरकार में जनपद उपाध्यक्ष पति नियमित स्कूल पढ़ाने जाएंगे या फिर कांग्रेस सरकार जैसा हाल रहेगा ?

राजनीति एक पूर्णकालिक कार्य है। इसे अंशकालीन नियोजित नहीं किया जा सकता। जबकि वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष महज एक मोहरा मात्र हैं, और उनकी राजनीति का सारा बागडोर उनके शिक्षक पति ने संभाल रखा है। निश्चित ही पूर्णकालिक राजनीति के चक्कर में वह अपने शिक्षकीय जीवन से विमुख हैं,जिसका परोक्ष अपरोक्ष रूप से नुकसान उनके पदस्थ स्कूल में दर्ज छात्रों को हो रहा होगा। विगत कार्यकाल में जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और क्षेत्र की तत्कालीन विधायिका का हाथ जनपद उपाध्यक्ष के ऊपर था, तो जनपद उपाध्यक्ष के पति अपने शिक्षकीय जीवन को भी बड़ी आसानी से मैनेज कर चल रहे थे। और आए दिन राजनीति और ठेकेदारी के चक्कर में जिला और जनपद में दिखाई देते रहे। परंतु वर्तमान में प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या जैसे पिछली सरकार में उपाध्यक्ष के शिक्षक पति ने अपनी मनमर्जी चलाई, वर्तमान भाजपा की सरकार में भी वही रवैया चलता रहेगा या भाजपाई इस बाबत सक्रिय होंगे। वैसे लगता नहीं कि इस दिशा और दशा में कोई सुधार होगा क्योंकि भाजपा से नजदीकियों के चलते और भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच कुछ हो पाना संभव नजर नहीं आता।

क्या उपाध्यक्ष द्वारा चंद कांग्रेसियों को सीढ़ी बनाकर किया गया था स्वार्थ पूरा ?

विगत चुनाव के पूर्व जनपद उपाध्यक्ष के परिवार का माहौल गैर राजनीतिक था। परंतु सत्ता का संरक्षण, विधायक का सर पर हाथ और युवा कांग्रेसी नेताओं के साथ के सहारे जनपद उपाध्यक्ष ने राजनीति में कदम रखा। और सत्ता के समर्थन से न केवल जनपद का चुनाव जीता बल्कि उपाध्यक्ष का चुनाव भी जीता। पूरे चुनाव में जिले के युवा कांग्रेसियों की टीम ने तन मन धन के साथ अपना सहयोग उपाध्यक्ष को दिया। परंतु आज स्थिति उलट है। आज ना तो पूर्व विधायक का साथ उपाध्यक्ष के प्रति है, ना ही युवा कांग्रेसियों का वह लगाव वर्तमान में विद्यमान है, जो विगत चुनाव पूर्व था। अब इसका कारण चाहे जो भी हो, पर जनपद उपाध्यक्ष पति के साथ देने वाले ही उन पर गैर जिम्मेदाराना व्यवहार का आरोप लगाते रहे हैं। आलम तो यह भी है कि विगत चुनाव में जब विधानसभा की सीट कांग्रेस ने गवां दी थी तो जनपद उपाध्यक्ष पति ने इसका जश्न भी मनाया था और सोशल मीडिया में व्यंगात्मक पोस्ट भी डाला था। इन सब बातों का लब्बोलुआब यही निकलता है कि विगत चुनाव में वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष और उनके पति ने तत्कालीन विधायक और युवा कांग्रेसियों को सीढ़ी की तरह इस्तेमाल किया था और मतलब पूरा हो जाने के बाद उनसे किनारा कर लिया।

भाजपा में सम्मिलित होने की सुगबुगाहट, भाजपाई करेंगे स्वीकार या देंगे उन्हें नकार ?

विगत विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की ओर से एक दावेदार के रूप में सामने आ चुकी वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष का लगाव हाल फिलहाल कांग्रेसियों से ज्यादा भाजपाइयों में नजर आता है। पिछले विधानसभा चुनाव में इसका खामियाजा भी उन्हें भुगतना पड़ा था, जब विधानसभा की टिकट के लिए पैनल में नाम आने पर कुछ कांग्रेसियों ने ही इसका खुलकर विरोध किया था कि जनपद उपाध्यक्ष का लगाव पूरी तरह कांग्रेस से न होकर भाजपाइयों के साथ भी सांठगांठ से है। और इस बात को इतना बल मिला कि जनपद उपाध्यक्ष की दावेदारी कमजोर पड़ती गई और अंततः उन्हें टिकट से हाथ धोना पड़ा। यह बात दीगर है कि विगत 5 सालों में जनपद उपाध्यक्ष ने जितना लगाव भाजपाइयों के साथ दिखाया, उनके साथ अपना समय व्यतीत किया, अपने स्वयं की पार्टी कांग्रेस के लिए उतना कार्य नहीं किया। जबकि जनपद उपाध्यक्ष होने के साथ-साथ वह कांग्रेस के जिला कार्यकारिणी में पदाधिकारी भी हैं। अब आने वाले समय में यह देखने वाली बात होगी कि भाजपा की तरफ झुकाव होने से क्या भाजपा संगठन उन्हें स्वीकार करेगा।

क्या कांग्रेस संगठन भावी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में करेगा जनपद उपाध्यक्ष के लिए समर्थन ?

आने वाले कुछ ही समय में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होना है,और निश्चित ही अपनी राजनीतिक साख को बचाए रखने के लिए और अगले पायदान पर चढ़ने के लिए राजनीति में सक्रिय बने रहना जरूरी है। और जिसका एकमात्र विकल्प है चुनाव जीतकर अपना प्रोटोकॉल बचाए रखना। परंतु दुविधा वाली बात यह है कि जैसा देखने सुनने को मिल रहा है, जनपद उपाध्यक्ष की कांग्रेस संगठन से दूरी है, और भारतीय जनता पार्टी में उन्होंने प्रवेश नहीं किया है। क्या ऐसे में कांग्रेस संगठन वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष को जनपद या जिला के चुनाव में अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित करेगा। विगत चुनाव में युवा कांग्रेसियों की मदद से सत्ता पक्ष के विधायक का खुला समर्थन प्राप्त हुआ था। जिसकी बदौलत जनपद का चुनाव और बाद में उपाध्यक्ष के चुनाव जीतने के लिए राह आसान हुई थी। परंतु इस बार जनपद उपाध्यक्ष और उनके पति के साथ ना तो विगत चुनाव वाली परिस्थिति है, न हीं वैसा समर्थन है। इसके अतिरिक्त जिला कांग्रेस संगठन में भी जनपद उपाध्यक्ष का समर्थन करने वाला कोई बड़ा चेहरा नजर नहीं आ रहा है। अगर ऐसे में पार्टी समर्थित प्रत्याशी होने का मौका नहीं मिला तब वर्तमान उपाध्यक्ष के लिए यह बड़ी ही सोचनीय बात हो जाएगी। ऐसी परिस्थिति के निर्माता वह स्वयं है, क्योंकि उपाध्यक्ष का चुनाव जीतने के बाद दो नाव की सवारी का परिणाम मिलने का समय अब आ गया है।

पार्टी का प्रचार प्रसार छोड़,झोला बांटकर केवल स्वयं के प्रचार में रत जनपद उपाध्यक्ष

क्षेत्रीय राजनीति के कई अवसरों पर यह देखने सुनने को मिला है कि कांग्रेस पार्टी में जिला संगठन कार्यकारिणी में अहम पद मिलने के बाद भी विगत 5 वर्षों में जनपद उपाध्यक्ष ने पार्टी के लिए कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया । न ही पार्टी के रीति-नीति को आगे बढ़ाने में और ना ही लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का कोई प्रयास जनपद उपाध्यक्ष के द्वारा किया गया। गाहे बगाहे मौकों पर जब भी जनपद उपाध्यक्ष को मौका मिला, वह अपनी स्वयं के प्रचार प्रसार में मशगूल रहीं। स्वयं के प्रचार प्रसार के आगे उन्होंने पार्टी के अस्तित्व को परे रखा और शायद इसका कारण यह भी हो सकता है कि अपनी भविष्य की राजनीति की दिशा परिवर्तन की संभावनाओं का ख्याल रखते हुए किसी एक पार्टी के प्रति निष्ठा नहीं जताई।

जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं महिला खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

-संवाददाता-

कोरबा, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग कोरबा द्वारा राज्य के युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय युवा उत्सव के अंतर्गत आयु वर्ग 15 से 29 वर्ष का आयोजन 14 दिसंबर को विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01 में किया गया। जिसमें जिले के पांचों विकासखण्ड से लोकनृत्य, लोकगीत के चयनित कलाकार शामिल होकर अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किये। साथ ही कहानी लेखन, चित्रकला, वक्तृत्व कला/तात्कालिक भाषण, कविता, विज्ञान मेला, हस्तशिल्प में भी प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। उपरोक्त प्रत्येक विधा में विजेता प्रथम को राज्य स्तरीय युवा उत्सव में शामिल किया जायेगा। युवा उत्सव में लोक नृत्य में तमन्ना एक्का एवं साथी, कोरबा, लोकगीत दलीय में साद्य परवीन एवं साथी, कोरबा, लोकगीत एकल में अंजु राठिया, करतला, कहानी लेखन में आयुष पाण्डेय, दीपका, चित्रकला में निष्ठा विश्वकर्मा, कोरबा,तात्कालिक भाषण में ईशा गुप्ता, कोरबा, कविता में डिकेश्वर साहू, कोरबा, विज्ञान मेला में अंशु साहू,कोरबा, विज्ञान मेला एकल में गौरव शर्मा, जैन पब्लिक स्कूल, कोरबा, हस्तशिल्प में वैशणवी जायसवाल, कोरबा, कृषि उत्पाद में ओदिति वैष्णव, कोरबा ने प्रथम स्थान हासिल कर जिला को गौरान्वित किया। इस अवसर पर पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन, नेताप्रतिपक्ष, श्री हीतानंद अग्रवाल, डॉ. राजीव सिंह, श्री नारायण महंत, पार्षद, वि.गृ.उ. मा.वि.क्र 01, कोरबा के प्राचार्य, श्री के0आर0 टण्डन, जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं निर्णायकगण उपस्थित थे। जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता में 9-18 वर्ष के एथलेटिक्स में आरती श्रीवास, महिमा, खो-खो में कोरबा की टीम, हॉकी में चांदनी एवं साथी, बैडमिंटन में खुशी महंत,करतला, रिया गीरी, निकिता खुसरो, व्हॉलीबॉल में नंदा सिह कंवर एवं साथी, कोरबा, बास्केटबॉल में अकादमी कोरबा की टीम, फुटबॉल में निर्मला स्कूल, कोसबाड़ी, वेटलिफ्टिंग में दिव्या बरेठ, इशिता एवं रस्साकसी में सरगम मन्नेवार एवं साथी, करतला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 19-35 वर्ष में चांदनी, रीना पटेल, स्नेहा बंजारे, खो खो में करतला की टीम, हॉकी में बीना गुप्ता एवं साथी, बैडमिंटन में चारूलता यादव, यामिनी पटेल , अभिलाषा मिंज, व्हॉलीबॉल में नित्या एवं साथी, बास्केटबॉल में खेल अकादमी, कोरबा की टीम, फुटबॉल में खेल अकादमी कोरबा, वेटलिफ्टिंग में सानिया साहू, आरती केंवट, रस्साकसी में नीतु यादव एवं साथी ने प्रथम स्थान हासिल कर जिला को गौरान्वित किया। जिला खेल अधिकारी, श्री दीनू प्रसाद पटेल, खेल एवं युवा कल्याण कोरबा, सहायक खेल अधिकारी, श्री रामकृपाल साहू, सहायक क्रीडा अधिकारी, श्री के0आर0 टण्डन, जिला शिक्षा विभाग, कोरबा द्वारा विजेता कलाकारों को सम्मानित किया गया।

प्रतापपुर में सामान्य सेवा केंद्र पर एक दिवसीय एग्रीटेक के संबंध में दिया गया प्रशिक्षण

सूरजपुर 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एस.जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नन्दिनी साहू के निर्देशानुसार तथा जिला-ई गवर्नेंस (सीएससी) द्वारा ब्लॉक के सभी सामान्य सेवा केंद्र की एक दिवसीय एग्रीटेक के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। एग्रीटेक पोर्टल भारत सरकार द्वारा बनाया गया है। जिसमे प्रत्येक किसान का एक यूनिक आई.डी. बनाया जाना है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग,खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0

E-mail:eebalrampur-phe-cg@nic.in

ई.ओ.आई. क्रं./26/ले.शा.ज़जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2024
बलरामपुर,दिनांक - 13/12/2024

ऑन लाईन द्वितीय निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल प्रदाय योजना कार्य के लिए में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सि0नि0क्र0	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)
162841	282.71

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि, बिड वैद्यता की तिथि, कार्य की अवधि, निविदाकार की श्रेणी, एवं कार्यो तथा स्थल संबंध जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 18/12/2024 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 08/01/2025 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथ से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑन लाईन प्रक्रिया में सतत संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभा, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर,छ0ग0

जी0नं0 -242504593/4

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
धौरपुर,जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

धौरपुर, दिनांक 11/12/2024 क्रमांक/2291/खाद्य/अ0वि0अ 0/2024 :: एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान करेसर के संचालन हेतु इच्छुक एजेंसी जो छ0ग0 सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के अंतर्गत संचालन हेतु पात्र है, वे अपना आवेदन पत्र विहित प्रारूप में सम्पूर्ण विवरण एवं दस्तावेज यथा पंजीयन प्रमाण पत्र है, वे अपना आवेदन पत्र विविहत प्रारूप में सम्पूर्ण विवरण एवं दस्तावेज यथा पंजीयन प्रमाण पत्र, प्रस्ताव कार्यवाही पंजी, बैंक पास बुक की सत्यापित छायाप्रति के साथ आवेदन पत्र दिनांक 30/12/2024 तक कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) धौरपुर में जमा कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर व पदमुद्रा से जारी।

सील अनुविभागीय अधिकारी (रा0) धौरपुर,जिला-सरगुजा

जी0नं0 -242504591/1

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) /सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क./अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्रामीण जन ग्राम-केशवनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री दौलेन अमलोन टोप्पो, जाति उरांव, निवासी ग्राम सतपता, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम केशवनगर,प0ह0नं0 24, रा0नि0मं0 केशवनगर तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 712/12 रकबा 0.040 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन - पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 27/12/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 13/12/2024 न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

कोरिया में थानेदारी चल रही है या दुकानदारी?

मारपीट की रिपोर्ट लिखाने आते हैं और हो जाती है पुलिसिया कार्यवाही:सूत्र

थानेदार का ड्राइवर ही अवैध कारोबार का वसूल रहा पैसा,क्या होगी उसके बैंक खाते की जांच?

अवैध काम कीजिए और महीने का तय राशि पहुंचाइये कुछ इस तर्ज में चल रहा है पुलिस थाना?

वाहन दुर्घटना के मामले में भी मांगी जाती है भारी भरकम राशि

साहब कैसे जाएं थाना वहां तो पैसे वाले व रसूख़दारों की होती है सुनवाई आम लोगों की कौन करेगा सुनवाई,कहते हैं फरियादी?

थानेदार के ड्राइवर को लेकर पहले भी खबर प्रकाशित हुई पर ड्राइवर से मोह थानेदार का नहीं हटा

थानेदार के ड्राइवर की खबर कई बार हमने प्रकाशित की। खबर में ड्राइवर की कहानी भी लिखी लेकिन थानेदार का मोह उससे भंग नहीं हुआ। यह मोह अब समझ में आया की क्यों भंग नहीं हुआ। थानेदार ड्राइवर के खाते में पैसा उगाही का लेते हैं और इस तरह वह सुरक्षित रहते हैं। थानेदार नकद और फोन पे माध्यम से ड्राइवर के ही माध्यम से पैसा उगाही करते हैं जो नया और अनोखा तरीका है भ्रष्टाचार का जिसकी जांच हुई तो काफी कुछ सामने आएगा जो अचंभित करेगा।

शासकीय पुलिस वाहन को खाली भी दौड़ता है थानेदार के ड्राइवर साहब और खूब बजाता है सायरन

ड्राइवर की थानेदार से दोस्ती ऐसी है कि वह खाली गाड़ी भी खूब दौड़ता है। ड्राइवर सायरन बजाते हुए खूब वाहन शासकीय पुलिस वाली दौड़ता है जब पुलिसकर्मी या अधिकारी नहीं होते गाड़ी में तब भी वह गाड़ी को लेकर घूमता रहता है। ड्राइवर एक तरह से पूरी तरह अपनी धमक जमाता रहता है यह सभी कहते सुने जाते हैं। ड्राइवर को पूरी छूट है थानेदार की तरफ से यह बात स्पष्ट है? क्योंकि वह शासकीय वाहन को लेकर व्यक्तिगत कार्यों के लिए भी घूमता है और दिखावा करता है। नियम से सायरन बजाने के लिए अधिकारी का होना जरूरी है खाली गाड़ी में सायरन बजाना गलत है।

अवैध कारोबार का संचालन चरम पर खुले आम बिक रही हैं तेंदुआ चौक पर नशीली दवाएं

थाना क्षेत्र में नशीली दवाओं का कारोबार चरम पर है। बताया जा रहा है कि तेंदुआ चौक पर खुलेआम नशीली दवाएं बेची जा रही हैं। अब इसकी छूट कैसे मिली हुई है? बेचने वाले को यह तो पता नहीं और सूत्रों ने भी नाम नहीं छापने की शर्त रखी है और सूत्रों का कहना है कि किसी बस से यह दवाएं आती हैं और यहां वह बेची जाती हैं। तेंदुआ चौक अंतर्गत बेची जा रही यह दवाएं युवाओं को क्षेत्र के नशे के चपेट में ले रही हैं और युवा क्षेत्र के बर्बाद हो रहे हैं।

-रवि सिंह-
कोरिया, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

थानेदारी चल रही है या दुकानदारी अब आप सोच रहे होंगे कि ऐसे सवाल क्यों हो रहे हैं? तो यह सवाल इसलिए हो रहा है क्योंकि कोरिया में इस समय थानेदारी नही दुकानदारी चल रही है, क्योंकि न्याय के लिए थाने में पहुंचने वाले को न्याय से पहले दुकानदार को रकम देना होगा, तब तो आगे बात बनेगी नहीं तो फिर बात तो बिगड़ जाएगी, कुछ ऐसा ही चल रहा है इसबार कोरिया जिले के थानों का रवैया,इस समय कोरिया जिले का एक थाना तो कुछ ज्यादा ही सुर्खियां बटोर रहा है, यहां पर थानेदारी चल रही है ऐसा तो नहीं कहा जाएगा, क्योंकि थानेदारी जैसी स्थिति है ही नहीं, कभी थानेदार के लापरवाही से नाबालिक की मौत हो जा रही है तो कभी मारपीट का मामला जुआ में बदल जा रहा है, एक्सीडेंट जैसे मामलों में भारी भरकम पैसे की डिमांड हो रही है तो वहीं नशे के कारोबार में व जुआ संचालन में प्रतिदिन का रेट तय है, ऐसे में अब थानेदारी को दुकानदारी ना कहें तो

क्या कहें? पैसे लेने के लिए भी थानेदार ने एक अपना निजी वाहन चालक रखा हुआ है जिससे वह शासकीय वाहन चलवाते हैं और उगाही का पैसा उसी से वसूलवाते हैं, उसके खाते में फोन पे के माध्यम सहित तमाम तरीके से पैसे आते हैं,अब यह पैसा किसका है कहां का है यह तो जांच की बात है, हम इसकी पुष्टि नहीं करते पर जांच उस ड्राइवर के बैंक खाते की होनी चाहिए कि आखिर यह पैसा उस ड्राइवर के खाते में थानेदार का ड्राइवर बनने के बाद ही क्यों आ रहा है? और किस एवज में आ रहा है? पर यह जांच की जहमत उठाएगा कौन? क्योंकि अधिकारी भी प्रभाव में है और प्रभाव भी ऐसा है कि अधिकारी के घर का राशन भी यही पहुंचायेगे ऐसा बताया जा रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यदि हम अभी तत्कालीन घटनाक्रम की बात करें तो एक जगह पर जुआ चल रहा था और जुए में दो कलाकार थे जो जुए को अपने कलाकारी से जीतते थे, जीतने वाले ने कुछ ज्यादा ही पैसा जीत लिया तो हारने वाले ने उसे पीट दिया और उससे पैसा छीन लिया, जिस पर पिटाई खाने वाले ने थाने में जाकर अपनी व्यथा बताई पर इस व्यथा का थानेदार ने खूब लाभ उठाया, जहां लाखों जीतने वाले को थाने के सीढ़ी पर बैठकर चारों को जुआरी बना दिया और ताश का पत्ता रखकर उस जब्ती बना दी, जीते हुए पैसे में से 60 हजार जप्ती दिखा दी और बाकी मामलों में बचाने के लिए अपने ड्राइवर के खाते में 41000 ले लिए, जिसके पास कैश था वह कैश दिया, जिसके पास फोनपे में था उसने फोन पे के माध्यम से भुगतान किया, अब यह मामला थाने से बाहर आते ही सुर्खियां बटोर लिया और माउथ टू माउथ प्रचार शुरू हो गया, अब यह प्रचार था या फिर थानेदारी की व्यथा थी? अब यह तो जांच करने वाले अधिकारी व ऐसे थानेदारों को संरक्षण देने वाले ही इसकी पड़ताल कर पाएंगे।

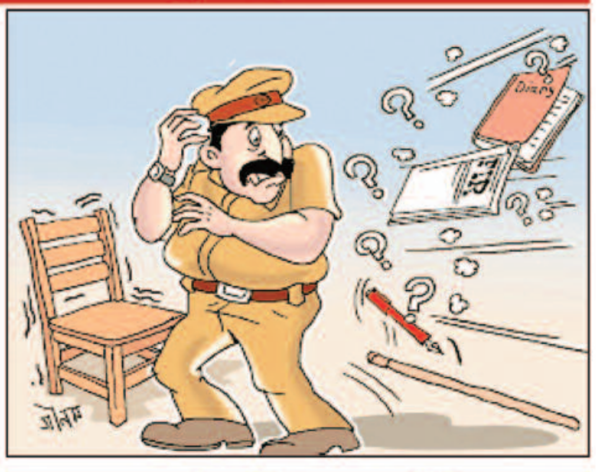

वाहन दुर्घटना में भी 50 हजार की डिमांड

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कोचिला छिंदिया के आसपास दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो जाती है दुर्घटना किस गाड़ी से होती है यह किसी को पता नहीं होता ना ही उसका चश्मदीद भी कोई गवाह होता है, अचानक एक महीने बाद पता चलता है कि गाड़ी कटकोना की है और उस गाड़ी के मालिक को पता करके जहां दुर्घटना की कार्यवाही करनी चाहिए वहां पर रकम की डिमांड होती है वैसे मलिक का यह भी कहना है कि वह गाड़ी या वहां उनकी गाड़ी नहीं थी पर पुलिस उसी की वाहन थी ऐसा उसे बता रही है अब पुलिस से डरा हुआ मालिक पुलिस की बातों में ही आया हुआ है और पुलिस की डिमांड पूरा करने के लिए इधर-उधर भटक रहा है पुलिस लगातार उसे रोज फोन कर रही है और जल्द से जल्द उस पेपर मांग रही है अब वह व्यक्ति आम व्यक्ति होने की वजह से पुलिस के डर से भयभीत है और वह रकम खोज रहा है देने के लिए।

कौन है बॉयलर नाम का व्यक्ति जिसे यह कहा गया है कि जब तक मैं हूं तब तक बेच लो नशीली दवाए?

बॉयलर नाम का कोई व्यक्ति यह कारोबार करता है यह सूत्रों का कहना है। अब यह कौन है यह तो पता नहीं लेकिन सूत्रों का कहना है कि उसका दावा है कि उसे आश्वासन है कि मेरे रहते खूब बेच लो और इसलिए वह निडर होकर बेच रहा है। अब जरा से लालच की वजह से यदि भविष्य बर्बाद करने की भी छूट यदि किसी को दी जा रही है युवाओं के तो यह काफी गंभीर विषय है। अब देखना यह है कि खबर प्रकाशन के बाद उक्त व्यक्ति पर कार्यवाही होती है यह उसे सचेत कर कारोबार कुछ दिन बंद करने नसीहत मिलती है।

माध्यमिक शाला बस्ती में किया गया गर्म वस्त्र का वितरण एवम नेवता भोज कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
बैकुंठपुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

माध्यमिक शाला बस्ती में गर्म वस्त्र का वितरण तथा सामुदायिक सहभागिता से न्यौता भोज का भी आयोजन रखा गया था। कार्यक्रम की शुरुवात मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना एवम सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुवात में विद्यालय के छात्रों द्वारा मुख्य अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत एवम स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया । तथा छात्रों द्वारा छत्तीसगढ़ के लोक गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता श्री बिहारी लाल गुप्ता जी रहे। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी प्रतिनिधि एवम एमआईएस प्रशासक विनय मोहन भट्ट कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। साथ ही विशिष्ठ अतिथि के रूप में बीईओ देवेश जसवाल, बीआरसी निलेश शुक्ला,अभय शर्मा संकुल प्राचार्य जिला सैनिक कल्याण बोर्ड कोरिया के सुरेश सोनी,पूर्व विकाशखंड शिक्षा अधिकारी शंकर सुवान मिश्रा, संकुल समन्वयक महलपारा ब शेर मोह. रोशन, साथ ही सस्था के प्रधान पाठक राजेन्द्र सिंह, प्रा. शाला. के प्रधान पाठक रंजीत सिंह, शिक्षक श्रीमती साधना डहरवाल, धनंजय प्रकाश बड़ा, तरुण कुमार,पुजा बैगा, श्रीमती अनिमा, सुश्री उषा तथा संस्था के अन्य स्टाफ श्री सीमन तिग्गा, सकेंदर सोनवानी अध्यक्ष एसएमसी, शाला प्रबंधन समिति के समस्त सदस्य, गांव के सरपंच श्री जगत प्रसाद, सुरेश सिंह, जनपद सदस्य श्री मति सोनामती उपस्थिति रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बिहारी लाल गुप्ता एवम अन्य विशिष्ठ। अतिथियों द्वारा विद्यालय के छात्रों को गर्म वस्त्र का वितरण किया गया। साथ ही मुख्य अतिथि एवम अन्य अतिथियों द्वारा छात्रों को प्रेरित करने हेतु संबोधित किया गया। शाला के प्रधान पाठक राजेन्द्र सिंह द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया एवम मुख्य अथिति को सॉल एवम तथा जिला शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिधि विनय मोहन भट्ट स्मृति चिन्ह एवम बुके भेट कर उनका सम्मान किया गया। अंत में समस्त छात्रों एवम अतिथियों को एसएमसी सदस्यो एवम वरिष्ट नागरिकों को न्यौता भोजन कराया गया।

क्या सूरजपुर जिला चिकित्सालय की बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था नशेड़ी डॉक्टर के भरोसे?

नशे में धुत डॉक्टर का वीडियो हुआ वायरल,ठीक से बोल भी नहीं पा रहा था तो फिर इलाज कैसे करता होगा?

-संवाददाता-
सूरजपुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कहां जाता है डॉक्टर मरीज के लिए भगवान के समान है, डॉक्टर को भगवान इसलिए माना जाता है क्योंकि वह किसी आदमी को बचता है मरने से, इसलिए डॉक्टर के प्रति लोगों का भाव हमेशा अच्छा होता है, पर कुछ ऐसे भी डॉक्टर है जो पूरे डॉक्टर वर्ग को ही शर्मसार कर रहे हैं, कुछ ऐसा ही मामला सूरजपुर जिला चिकित्सालय का आया है जहां पर नशे में धुत डॉक्टर मरीज के इलाज के लिए तैनात किए गए थे,अब ऐसे डॉक्टर जो नशे में इतना धुत है कि बोल भी नहीं पा रहे हैं तो वह मरीज का इलाज कैसे करेंगे? और मालिक को कौन सी दवाई लिखेंगे इसका भी पता नहीं वीडियो वायरल होने के बाद जहां डॉक्टर को निलंबित करना था, वहां पर जिला चिकित्सालय प्रबंधन ने सिर्फ कारण बताओं नोटिस जारी कर अपना कोरम पूरा कर लिया है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसे नशेड़ी डॉक्टर के भरोसे कैसे जिला चिकित्सालय सूरजपुर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा व बेहतर इलाज की उम्मीद की जा सकती है? जिला चिकित्सालय प्रबंधन की एक और कमी है आखिर नशेड़ी डॉक्टर को ही रात ड्यूटी क्यों देते हैं? क्या वह भी चाहते हैं कि ऐसे डॉक्टरों के वजह से किसी मरीज की जान चली जाए या फिर कोई बड़ी अनहोनी हो जाए?

आप को बता दे की सूरजपुर जिला अस्पताल में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक डॉक्टर ड्यूटी के दौरान नशे की हालत में नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में डॉक्टर को एमरजेंसी कक्ष में नशे की हालत में बैठे हुए देखा गया। इस वीडियो में वह खुद को डॉक्टर अनीश बताकर पहचानते हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो अस्पताल के ड्यूटी टाइम के दौरान रिकॉर्ड किया गया, जब डॉक्टर अनीश अपनी ड्यूटी पर थे। वीडियो वायरल होने के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। इस वीडियो को लेकर मरीजों और अस्पताल कर्मचारियों में नाराजगी व्यक्त की जा रही है। सूरजपुर जिला अस्पताल की यह घटना गंभीर चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि डॉक्टर का नशे की हालत में काम करना मरीजों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए खतरे का संकेत है। अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है डॉक्टर के खिलाफ कारण बताओं नोटिस जारी कर दिया गया है।

ओव्हर ब्रिज मार्ग से प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा का भुगतान एवं व्यवस्थापन का समुचित प्रबंध के संबंध में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कलेक्टर को लिखा पत्र

-संवाददाता-
कोरबा, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा शहर व उपनगरीय क्षेत्रों में प्रस्तावित अंडर ब्रिज अथवा निर्माणाधीन ओव्हर ब्रिज मार्ग से प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा का भुगतान एवं व्यवस्थापन का समुचित प्रबंध किए जाने के संबंध में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कलेक्टर कोरबा को पत्र लिखते हुए उसकी प्रतिलिपि पुलिस अधीक्षक और आयुक्त नगर निगम कोरबा को प्रेषित किया है। जयसिंह अग्रवाल ने पत्र में लिखा है कि एस.ई.सी.एल. द्वारा संचालित खदानों से जुड़े क्षेत्र गेवरा, कुसमुण्डा एवं दीपका में ओव्हर ब्रिज का निर्माण कार्य जारी है। क्षेत्र के निवासियों ने संपर्क कर अवगत कराया है कि ओव्हर ब्रिज का निर्माण कार्य आरंभ किए जाने से उनके सामने इस कडाके की ठंड में व्यवस्थापन की समस्या उत्पन्न हो गई है और उनके आवास निर्माणाधीन ओव्हर ब्रिज की जद में आने की वजह से उन्हें वहां से हटने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है एवं उन्हें मुआवजे का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ सुनालिया पुल मार्ग से रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर पड़ने वाले रेलवे क्रॉसिंग के दोनों तरफ की नजदीकी बस्ती के निवासियों को वहां बनाए जाने वाले अण्डर ब्रिज की वजह से विस्थापित किया जा रहा है। सुनालिया रेलवे क्रॉसिंग के पास बनाए जाने वाले अण्डर ब्रिज मार्ग से प्रभावित होने वाले

निवासियों को तत्काल वहां से हटाने का निर्देश जिला प्रशासन द्वारा जारी किया गया है और संबंधित विभागों द्वारा मकान खाली करवाकर तोड़ने का कार्य भी आरंभ किया जा चुका है। पत्र में जयसिंह अगवाल ने आगे लिखा गया है कि वर्तमान समय में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और ऐसी स्थिति में मानवीय पक्ष को ध्यान में रखते हुए उन्हें आवास खाली कर अन्य वैकल्पिक व्यवस्था बनाने के लिए न्यूनतम 15 दिनों का समय दिया जाना उचित होगा। उसी क्षेत्र में अनेक लोग ऐसे भी हैं जो अपने आवास के सामने जीविकोपार्जन के लिए छोटी-मोटी दुकान का संचालन भी कर रहे हैं। पन्द्रह दिनों की अवधि की मोहलत दिए जाने पर उन्हें भी अपना सामान हटाने का अवसर मिल जाएगा और टूट-फूट के संभावित नुकसान से भी वे बच सकेंगे। जयसिंह अग्रवाल ने आगे लिखा है कि उक्त मार्गों के निर्माण से प्रभावित परिवारों के हित में आवश्यक होगा कि कुसमुण्डा व दीपका क्षेत्र में निर्माणाधीन ओव्हर ब्रिज से प्रभावित परिवारों को भी समुचित मुआवजा भुगतान कराया जाए और प्रस्तावित अंडर ब्रिज प्रभावित निवासियों से कम मुआवजा भुगतान संबंधी प्राप्त शिकायतों को संज्ञान में लेकर जिला प्रशासन द्वारा विचार अवश्य किया जाना चाहिए। इस तरह के निर्माण कार्यों से प्रभावित होने वाले परिवारों को विस्थापित किए जाने से पूर्व जिला प्रशासन द्वारा उचित व्यवस्थापन की व्यवस्था भी किया जाना आवश्यक है।

रेवती रमण कॉलेज में किया गया श्रमदान का आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर, 17 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार के सुशासन के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज शासकीय रेवती रमण महाविद्यालय, सूरजपुर परिसर में श्रमदान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के नेतृत्व में जिले में स्वच्छता मिशन को बढ़ावा देने और आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम के इस अवसर पर एसडीएम सूरजपुर, मुख्य नगर पलिका अधिकारी सूरजपुर, जिला सेनानी संजय गुप्ता, सहायक प्राध्यापक चंद्रभूषण मिश्र, एस.आई. राकेश पाण्डेय, नगरसेना, अग्निशमन, एनसीसी, एन.एस.एस. सहित नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित थे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया आज फिर होंगे आमने-सामने

» क्या गाबा में आखिरी दिन भी होगी बारिश,कहीं टीम इंडिया फंस तो न जाए...

ब्रिस्बेन,17 दिसम्बर 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा में खेला जा रहा तीसरा टेस्ट अब रोचक दौर में पहुंच चुका है। भारतीय टीम इस मैच को जीत पाएगी, इसकी संभावना तो काफी कम है, लेकिन अब ऑस्ट्रेलिया के लिए भी जीत मुश्किल होती हुई दिख रही है। इस बीच सभी की नजर इस बात पर है कि गाबा में आखिरी दिन यानी बुधवार को मौसम का हाल क्या रहेगा। क्योंकि दोनों के प्रदर्शन से ज्यादा मौसम पर मैच का रिजल्ट ज्यादा निर्भर करेगा।

बुधवार को कैसा रहेगा ब्रिस्बेन का मौसम

ब्रिस्बेन में बुधवार को बारिश तो हो सकती है, जैसी कि मंगलवार को हुई, लेकिन इतनी नहीं होगी कि पूरा मैच ही धुल जाए। अगर बात सुबह दस बजे की करें तो उस वक्त 31 फीसदी बारिश की संभावना है। ये वही वक्त होगा जब ब्रिस्बेन के गाबा में मैच शुरू हो चुका होगा। इसके करीब एक घंटे बाद यानी 11 और 12 बजे बारिश की संभावना कम हो जाएगी। 11 बजे 30 और 12 बजे 29 फीसदी बारिश की संभावना है। एक बजे के करीब 28 प्रतिशत बारिश की संभावना है। हालांकि एक बजे के बाद बारिश की कोई भी संभावना नहीं है।

बीच बीच में हो सकती है बारिश,लेकिन खेला जाएगा मुकाबला

इसका मतलब ये माना जाना चाहिए कि आखिरी मैच होगा, हो सकता है कि बीच बीच में बारिश थोड़ी बहुत रुकावट डाले, लेकिन ऐसा नहीं होगा कि मैच बिल्कुल हो ही ना पाए। मैच में वैसे तो ड्रॉ होने की संभावना नजर आती है, लेकिन क्रिकेट के खेल में कभी भी कुछ भी हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बनाए गए 445 रनों के जवाब में टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी में 9 विकेट के नुकसान पर 252 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम ने अपना फालोआन तो बचा लिया है, लेकिन मैच यहां से जीत पाएगी, इसकी संभावना नगण्य है। अब देखना ये होगा कि भारत की आखिरी जोड़ी यानी आकाश दीप और जसप्रीत बुमराह कब तक बल्लेबाजी करते हैं, इसके बाद जब ऑस्ट्रेलिया की टीम बल्लेबाजी के लिए उतरेगी तो कितने रन की लीड लेने में कामयाब होती है।

ऑस्ट्रेलिया की पकड़ से ढीला हुआ मैच

ऑस्ट्रेलिया की पकड़ में काफी हद तक ये मैच आ चुका था, लेकिन अब उसकी पकड़ ढीली होती दिख रही है। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम की पहली कोशिश तो यही होगी कि भारत का आखिरी विकेट जल्द से जल्द गिराया जाए और इसके बाद बल्लेबाजी की जाए। ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर कितने और रन जोड़कर भारत के सामने लक्ष्य रखती है, इसके बाद जब टारगेट मिलेगा तो भारतीय टीम किस रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी, ये भी देखना काफी दिलचस्प होगा। मैच का रिजल्ट निकले या ना निकले, लेकिन इतना पक्का है कि मैच आखिरी दिन भी काफी रोचक होगा।

खेल की संक्षिप्त खबरें

केएल राहुल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने दूसरे शतक से चूके

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ ब्रिसबेन क्रिकेट ग्राउंड (गाबा) में खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के तीसरे टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम के केएल राहुल शतक बनाने से चूक गए।वह अपनी पहली पारी में 84 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन ने अपना शिकार बनाया।इस बीच उन्होंने रविंद्र जडेजा के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 67 रन भी जोड़े।

आकाशदीप-जसप्रीत बुमराह ने हारते मैच में बैटिंग में किया कमाल

ब्रिस्बेन,17 दिसम्बर 2024। बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हर मायने में टीम इंडिया के हीरो साबित हुए हैं।, टीम इंडिया ब्रिस्बेन गाबा के मैदान पर शर्मसार होने से बाल-बाल बची। वहीं पहले केएल राहुल और फिर रविंद्र जडेजा ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का डटकर सामने करते हुए अर्धशतक लगाकर भारत की लाज बचाने की कोशिश की। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने 27 गेंदों में एक छक्का लगाकर 10 रन बनाए और नाबाद रहे। वहीं आकाशदीप ने भी 31 गेंदों में 2 चौके और एक छक्का के दम पर नाबाद 27 रन की पारी खेली। जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप की जोड़ी में आखिर में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए भारत को किसी तरह फॉलोऑन झेलने के शर्मसार होने से बचा लिया। जब आकाशदीप ने कमिंस को चौका मारते हुए कट ऑफ स्कोर को पार किया तो टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में सेलिब्रेशन देखते बन रहा था। हेड कोच गौतम गंभीर, विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा खुशी से झूम उठे। जबकि इसके बाद ही आकाश ने कमिंस को एक छक्का भी मारा। उनके बीच 39 रनों की साझेदारी हो चुकी है।

रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से लेंगे संन्यास,ग्लव्स से दिया संकेत

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2024। इसी साल टी 20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद एक बार फिर उनके टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की अफवाहें जोर पकड़ रही हैं। कहा जा रहा है कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज उनके करियर की आखिरी टेस्ट सीरीज हो सकती है। कप्तान रोहित शर्मा पिछले कुछ समय से टेस्ट क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और इस फॉर्मेट में उनकी कप्तानी पर भी काफी सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल, टेस्ट से संन्यास की

खबरें इसलिए भी आ रही हैं क्योंकि ब्रिसबेन टेस्ट में जब पैट कमिंस की गेंद पर आउट होने के बाद रोहित शर्मा पवेलियन लौट रहे थे, तो उन्होंने अपने ग्लव्स उतारकर डगआउट के पीछे छोड़ दिए। इसके बाद से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गए हैं कि क्या रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से अलविदा कहने का मन बना लिया है?

जोश हेजलवुड हुए मैच के साथ-साथ सीरीज से बाहर

ब्रिस्बेन,17 दिसम्बर 2024। ब्रिसबेन के गाबा में भारत के खिलाफ जारी तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन के खेल से पहले ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका लगा है। उनकी टीम के प्रमुख गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल हो गए। हालांकि, वे दिन के खेल के पहले घंटे में मैदान पर नजर आए और एक ओवर गेंदबाजी की, लेकिन फिर उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया और जोश हेजलवुड को स्कैन्स के लिए हॉस्पिटल भी ले जाना पड़ा। इसके बाद जो रिपोर्ट सामने आई, उनसे साफ हो गया है कि जोश हेजलवुड को काफ स्ट्रेन है। वे इस मैच के साथ-साथ इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। अब जोश हेजलवुड ब्रिसबेन टेस्ट मैच में आगे गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे और सीरीज के बाकी मैचों में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। ऐसे में उनकी जगह इस सीरीज में स्कॉट बोलैंड खेलेंगे। उनको गंभीर चोट लगी है। इस चोट से उबरने के लिए उनको वक्त लगेगा। ऐसे में वे सीरीज के बाकी दो मैचों के लिए भी उपलब्ध नहीं होंगे। स्कैन्स के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जोश हेजलवुड को लेकर जो अपडेट दिया है, उसमें बताया है कि, जोश हेजलवुड की पिंडली में खिंचाव आ गया है और वह टेस्ट सीरीज के बाकी बचे मैचों से बाहर हो सकते हैं।

जोश हेजलवुड इस मैच में 6 ओवर गेदंबाजी कर चुके हैं और एक विकेट अपने नाम कर चुके हैं। उन्होंने विराट कोहली को विकेट के पीछ एलेक्स कैरी के हाथों कैच आउट कराया था। हेजलवुड को चौथे दिन के खेल से पहले वॉर्मअप मैच के दौरान उनको चोट लगी थी। उन्होंने गेंदबाजी करने की कोशिश की, लेकिन एक ही ओवर फेंकने के बाद वे बाहर चले गए।

कीर्ति आजाद को हराकर रोहन जेटली फिर बने अध्यक्ष

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2024। कीर्ती आजाद को हराकर रोहन जेटली एक बार फिर से दिल्ली जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बन गए हैं। उन्होंने डीडीसीए के कई पदों के लिए चुनावों में भारत के पूर्व खिलाड़ी कीर्ती आजाद को हराया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत अरुण जेटली के बेटे 35 वर्षीय रोहन जेटली ने टॉप पद की दौड़ में आजाद के 777 वोटों की तुलना में 1577 वोट हासिल किए। कुल 2413 वोट डाले गए और जीतने के लिए 1207 वोटों की आवश्यकता थी। 2020 में रोहन निर्विरोध डीडीसीए अध्यक्ष चुने गए और एक साल बाद उन्होंने एडवोकेट विकास सिंह को हराया। बीसीसीआई के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना की बेटी शिखा कुमार ने राके कुमार बंसल और सुधीर कुमार अग्रवाल को हराकर उपाध्यक्ष पद हासिल किया।

डीडीसीए के अन्य पदों के लिए चुनाव परिणाम की बात करें तो अशोक शर्मा सचिव बने, जबकि हरीश सिंगला कोषाध्यक्ष पद के लिए चुने गए और अमित ग्रोवर ने संयुक्त सचिव पद पर जीत हासिल की। अन्य लोगों में आनंद वर्मा, मंजीत सिंह, नवदीप एम, श्याम शर्मा, तुषार सहगल, विकास कत्याल, विक्रम कोहली डायरेक्टर बने।

पैट कमिंस टेस्ट में तीसरे सर्वाधिक विकेट वाले कप्तान बने

वेस्टइंडीज के दिग्गज को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली,17 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के तीसरे टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम के नितीश रेड्डी के रूप में अपना तीसरा विकेट चटकाया।इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले कप्तान बने हैं।उन्होंने इस मामले में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान गैरी सोबर्स (117) को पीछे छोड़ा है।आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। बतौर कप्तान कमिंस ने अब तक 31 मैच खेले हैं, जिसमें लगभग 24 की औसत के साथ 118 विकेट लिए हैं।उनसे ज्यादा विकेट लेने वाले कप्तान सिर्फ पाकिस्तान के इमरान खान और ऑस्ट्रेलिया के रिची बेनाउड हैं। बता दें कि इमरान ने 48 टेस्ट में कप्तानी करते हुए 20.26 की औसत के साथ 187 विकेट लिए थे।बेनाउड ने 56 टेस्ट में कप्तानी करते हुए 25.78 की औसत के साथ 138 विकेट चटकाए थे।

ब्रिसबेन में खेले जा रहे टेस्ट की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के 445 रन के जवाब में भारत ने चौथे दिन के दूसरे सत्र के समापन तक 201/7 का स्कोर बनाया है। भारत को फॉलोऑन टालने के लिए 45 रन की दरकार है।इस समय क्रीज पर अर्धशतक लगा चुके रविंद्र जडेजा (65), और मोहम्मद सिराज (1) मौजूद हैं।ऑस्ट्रेलिया से कमिंस ने अब तक 3 विकेट चटकाए हैं। उनके अलावा मिचेल स्टार्क ने 2 विकेट अपने नाम किए हैं।

विजय सेतुपति,सूरी की फिल्म विदुथलाई: पार्ट 2 को सेंसर बोर्ड से मिला ए सर्टिफिकेट

वेत्रिमारन द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित तमिल फिल्म विदुथलाई पार्ट 2 ने अपनी सेंसर औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और इसे ए सर्टिफिकेट दिया गया है। विजय सेतुपति, सूरी और मंजू वारियर अभिनीत पीरियड क्राइम थ्रिलर फिल्म 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह फिल्म 2023 में रिलीज हुई बहुप्रतीक्षित फिल्म विदुथलाई पार्ट 1 का सीक्वल है और साल की सबसे प्रतीक्षित तमिल फिल्मों में से एक है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, विदुथलाई पार्ट 2 को अपने तीखे संवादों के कारण ए सर्टिफिकेट मिला है, जिसमें मजबूत राजनीतिक अर्थ और हिंसक दृश्य हैं जो युवा दर्शकों के लिए उपयुक्त नहीं हैं। फिल्म की कहानी मक्कल पदई नेता पेरुमल (विजय सेतुपति द्वारा निभाई गई भूमिका) और उनकी पत्नी (मंजू वारियर द्वारा निभाई गई भूमिका) के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में सहायक भूमिकाओं में भवानी श्री, गौतम वासुदेव मेनन, राजीव मेनन, अनुराग कश्यप, केन करुणास, इलावरसु, बालाजी शक्तिवेल और अन्य कलाकार शामिल हैं।विदुथलाई पार्ट 2 का संगीत दिग्गज इलैयाराजा ने तैयार किया है, जबकि आर वेलराज ने सिनेमैटोग्राफी संभाली है और आर रामर ने संपादन का काम संभाला है। फिल्म का निर्माण ग्रास रूट फिल्म कंपनी और आरएस इंफोटेनमेंट ने मिलकर किया है। अपनी दमदार कहानी, कलाकारों की टोली और दिग्गज संगीतकार के साथ, विदुथलाई पार्ट 2 के ब्लॉकबस्टर हिट होने की उम्मीद है।जैसे-जैसे विदुथलाई पार्ट 2 अपनी नाटकीय रिलीज़ के लिए तैयार है, प्रशंसक वेत्रिमारन के निर्देशन के जादू और मुख्य अभिनेताओं के दमदार अभिनय को देखने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। अपने ए सर्टिफिकेट और दमदार कहानी के साथ, यह फिल्म क्राइम थ्रिलर पसंद करने वाले दर्शकों के लिए एक ट्रीट होने की उम्मीद है।

नरेश स्टारर बाछला मल्ली का ट्रेलर लॉन्च

20 दिसंबर को फिल्म होगी रिलीज

अल्लारी नरेश अभिनीत फिल्म बछला मल्ली का ट्रेलर नेचुरल स्टार नानी द्वारा लॉन्च किया गया है। सुब्बू मंगादेवी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक देहाती एक्शन ड्रामा है जो एक गहन और मनोरंजक सवारी होने का वादा करती है। ट्रेलर की शुरुआत अल्लारी नरेश द्वारा निभाए गए नायक से होती है, जो बारिश में बेहोश पड़ा है, और फिर हमें घटनाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से ले जाता है जो उसके लापरवाह व्यवहार को उजागर करती है। ट्रेलर हमें नायक के परिवर्तनकारी बदलाव से परिचित कराता है, जो उसके जीवन में आने वाली एक लड़की द्वारा प्रेरित होता है।अमृता अय्यर ने प्रेमिका की भूमिका निभाई है, और नायक से हिंसक तरीके छोडने़ की उनकी कोमल विनती उसे नरम कर देती है। ट्रेलर में रोहिणी, राव रमेश और अच्युत कुमार सहित अन्य प्रमुख कलाकारों का भी परिचय दिया गया है।निर्देशक सुब्बू मंगादेवी ने एक अधिक गहन कहानी ली है और इसे बहुत ही शानदार तरीके से प्रस्तुत किया है, जिसने दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखा। तकनीकी दल ने बेहतरीन काम किया है, रिचर्ड एम नाथन की सिनेमैटोग्राफी ने कहानी को और बेहतर बनाया है, और विशाल चंद्रशेखर का संगीत अपनी बेहतरीन रचना के साथ अलग खड़ा है। बैकग्राउंड स्कोर साउंड डिज़ाइन के साथ सहजता से घुलमिल जाता है, जिससे अनुभव बेहतर होता है। ट्रेलर में हास्य मूवीज़ के प्रोडक्शन स्टैंडर्ड स्पष्ट हैं, और छोटा के प्रसाद द्वारा संपादन तेज और सटीक है।बछला मल्ली के ट्रेलर ने काफी प्रत्याशा पैदा की है, और इसके मनोरंजक और गहन एक्शन ड्रामा के साथ, फिल्म एक गहन भावनात्मक सवारी होने का वादा करती है। अल्लारी नरेश के शक्तिशाली प्रदर्शन और होनहार तकनीकी दल के साथ, बछला मल्ली दर्शकों को प्रभावित करने के लिए निश्चित है। यह फिल्म 20 दिसंबर को रिलीज होगी।

ब्लैक साड़ी में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने दिखाई दिलकश अदाएं

चेहरे का नूर देख नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा हमेशा अपने स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं, जिसमें उनकी किलर अदाएं देखकर फैंस मंत्र मुग्ध हो गए हैं।एक्ट्रेस नुसरत भरूचा बॉलीवुड इंडस्ट्री की फेमस अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।नुसरत भरूचा ने अपनी इन लेटेस्ट फोटोज के दौरान ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो बेहद ही किलर और स्टनिंग लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।कानों में इयररिंग्स, आखों में काजल और ग्लैम मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।नुसरत भरूचा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

कई मामलों को लेकर विधानसभा में हंगामा

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हुई स्थगित

रायपुर,17 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2024-25 की आरक्षण प्रक्रिया को निरस्त कर दिया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त सचिव तारन प्रकाश सिन्हा ने इस संबंध में आदेश जारी किया है जिसमें अपरिहार्य कारणों का हवाला दिया गया है। अब इस पूरे मामले पर दिग्गज भाजपा विधायक अजय चंद्राकर का बयान सामने आया है। पंचायत चुनाव के वार्डो के आरक्षण पर लगाई गई रोक को लेकर भाजपा के विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि जरूर कोई विषय रहा होगा, स्थानीय संस्थानों के चुनाव निश्चित समय में कराए जाने है, चुनाव थोड़ा बहुत आगे-पीछे हो सकता है।

एसीबी ने रिश्वत लेते कानूनगो अधिकारी को किया गिरफ्तार

पिथौरा,17 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन

ब्यूरो की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में आज महासमुंद जिले में एसीबी ने तहसील कार्यालय में छापा मारा। इस दौरान कानूनगो अधिकारी को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह पूरा मामला पिथौरा तहसील कार्यालय का है। इस कार्रवाई से तहसील कार्यालय समेत प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा हुआ है।

» आयुष्मान योजना के तहत नहीं मिला भुगतान...
» इलाज नहीं कर रहे निजी अस्पताल,मंत्री जवाब में बोले...

रायपुर,17 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीत सत्र के दूसरे दिन ध्यानाकर्षण के दौरान आयुष्मान योजना के लंबित भुगतान का मुद्दा जोर-शोर से उठा। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा अस्पतालों का भुगतान लंबित होने से इलाज नहीं होने का मुद्दा उठाया।

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने जवाब देते हुए कहा कि फिलहाल 838 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2024 तक 1096 करोड़ रुपये का भुगतान निजी अस्पतालों को और 560 करोड़ का भुगतान सरकारी अस्पतालों को किया जा चुका है। मंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए 75 अस्पतालों की जांच की गई, जिसमें 11 अस्पतालों पर 151 लाख रुपये फाइन किया गया है।

शिकायत करें, कार्रवाई होगी

विधायक मंडावी ने सवाल किया कि भुगतान लंबित होने के कारण इलाज नहीं हो रहा है, निजी अस्पताल इलाज नहीं करते हैं, तो कैसे कार्यवाही करेंगे? इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मरीज टोल-फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। जो अस्पताल पंजीकृत हैं और इलाज नहीं कर रहे, उनके खिलाफ डी-इंपैनलमेंट की कार्यवाही होगी और आयुष्मान योजना के लाभ से वंचित किया जाएगा। जायसवाल ने यह भी बताया कि लंबित भुगतान के लिए 300 करोड़ रुपये अतिरिक्त मिले हैं।

भूपेश बघेल ने सरकार को घेरा

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चर्चा में हिस्सा लेते हुए सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, 1400 करोड़ का भुगतान रुका हुआ है, छोटे-छोटे अस्पताल बंद हो गए हैं और इलाज नहीं हो रहा, कब तक भुगतान होगा बताएं?

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने जवाब में कहा कि पिछली सरकार के समय की तुलना में मौजूदा देनदारी कम है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि 300 करोड़ रुपये जल्दी जारी किए जाएंगे और सरकार जल्द से जल्द ही देने का प्रयास करेंगे।

कभी भी डिबेट के लिए तैयार : जायसवाल

बघेल ने स्वास्थ्य व्यवस्था की खराब हालत पर मलेरिया और डायरिया से हो रही मौतों का मुद्दा उठाया। इसके जवाब में मंत्री जायसवाल ने कहा, कभी भी डिबेट करा लीजिए, आपके समय की स्थिति और अब की स्थिति में अंतर साफ हो जाएगा।

रायपुर के बूढ़ातालाब प्रोजेक्ट और सुकमा में बिना टेंडर के पुल बनाए जाने के मामले पर ठंड के मौसम में शुरू हुआ शीतकालीन सत्र गरमा गया। बस्तर के निर्माण के मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और लोक निर्माण विभाग के मंत्री अरुण साव भिड़ गए।

कांग्रेस के विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी। सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए ।अरुण साव के खिलाफ आपत्तिजनक नारेबाजी किए जाने की वजह से डॉक्टर रमन सिंह ने कांग्रेस के लगाए नारों को विलोपित कर दिया। हंगामा और बवाल के बीच प्रश्न-काल समाप्त हुआ।

दरअसल कवासी लखमा ने सुकमा जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग की तरफ से बनाए गए पुल को लेकर सवाल उठाया। मई में इसका काम तब किया गया था जब लोकसभा चुनाव की वजह से आचार संहिता लगी थी।

इसके निर्माण को लेकर कवासी लखमा की ओर से की गई आपत्ति पर जवाब देते हुए मंत्री अरुण साव ने कहा था कि जहां पुल बना वहां आसपास सुरक्षा बलों के कैंप हैं। बारिश में सुरक्षा बलों के राशन पहुंचाने और उनके आने-जाने में होने वाली परेशानी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने पुल का कुछ हिस्सा बनवाया, बाद में इसे रोक दिया गया। लेकिन इसमें एक रुपए का भी भुगतान नहीं किया गया है। आज टेंडर खोला जा रहा है जो एजेंसी तय होगी उसे काम दिया जाएगा।

पूर्व मंत्री भूपेश बघेल ने मंत्री साव का जवाब सुना और कवासी लखमा का साथ देते हुए खड़े हुए । बघेल ने कहा कि जब मंत्री यह मान रहे हैं कि आचार संहिता में काम हुआ राज्य सरकार से अनुमति के बिना काम हुआ बिना टेंडर के काम हुआ तो आप अफसर और ठेकेदारों पर क्या कार्रवाई करेंगे। साव ने भुगतान न किए जाने की बात को दोहरा दिया।

इतने में कांग्रेस के सभी विधायकों ने हंगामा करते हुए भ्रष्टाचार के नारे लगाने शुरू कर दिए। भूपेश बघेल ने सख्त लहजे में साव से कहा कि जब आपके संज्ञान में सब कुछ है और आप कार्रवाई नहीं कर रहे हैं इसका मतलब यह है कि आपका संरक्षण प्राप्त है। काफी देर तक इस बात पर नारे बाजी होती रही।

पुल के सवाल को पूछने के लिए जब कवासी लखमा खड़े हुए उन्होंने सुकमा का जिक्र करना शुरू किया तो अजय चंद्राकर ने कमेंट करते हुए पूछा कि दादी सुकमा कब गए थे, कवासी लखमा हंसते हुए बोले-तो क्या मैं पाकिस्तान में रहता हूं क्या ? कमेंट जोड़ते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि आपके बड़े नेताओं के विचार तो पाकिस्तानियों जैसे ही हैं । जवाब देते हुए लखमा ने कहा आपके विचार बांग्लादेशियों वाले हैं क्या,। इसके बाद डॉक्टर रमन सिंह से गुजारिश करते हुए लखमा बोले इन लोगों को समझाइए इन्हें पता है कि लखमा आज पोल खोलेगा इसलिए ऐसा कर रहे हैं। मुस्कुराकर डॉ रमन सिंह ने कहा- आज चंद्राकर जी आप कवासी लखमा को डिस्टर्ब नहीं करेंगे।

बस्तर के गावों में पुलिया निर्माण पर गरमाया सदन

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सुकमा एवं दंतेवाड़ा के सरहदी गांवों में पुलिया निर्माण के मुद्दे पर कांग्रेस विधायक कवासी लखमा ने सरकार को घेरा. बिना स्वीकृति के पुलिया निर्माण के लिए दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग करते हुए विपक्ष ने नारेबाजी करते हुए सदन से वॉक आऊट किया। विधायक कवासी लखमा ने प्रश्नकाल के दौरान सुकमा एवं दंतेवाड़ा के सरहदी गांवों में पुलिया निर्माण का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि इसमें कितनी निर्माणाधीन है, और कितने निर्मित हो चुके हैं? इसमें प्रशासकीय स्वीकृति कब प्रदान की गई? कार्य की निर्माण एजेंसी किसने बनाई? क्या दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही की गई थी? हमारा नक्सल पीड़ित क्षेत्र है. हम भी चाहते हैं कि विकास हो, लेकिन यह कौन सा नियम है कि पहले पुल बनेगा, फिर टेंडर होगा? ये रोड पीडब्ल्यूडी बना रहा या प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बन रही है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सवाल का जवाब देते हुए बताया कि दो स्थान है. एक सुकमा और एक दंतेवाड़ा जिले में परिया और मुलेर आते हैं. अचार संहिता प्रभावशील थी. शिकायत के बाद काम रोक दिया गया. इसमें आगे कोई निर्माण नहीं हुआ है. निविदा जब खुलेगी, तब आगे का निर्माण होगा. यह निर्माण भारत सरकार ने स्वीकृत की है. पीडब्ल्यूडी बना रहा है. दोनों जगहों के कलेक्टर से कार्य स्वीकृत है. इस पर कवासी लखमा ने कहा कि बिना स्वीकृति, बिना ऑर्डर के रोड बनाया गया हैय ये पुल ज्यादा रेट से बन रहे हैं, और एक नाले में तीन पुल क्यों बनाया जा रहा है. आचार संहिता के समय जल्दी-जल्दी जिस इंजीनियर से काम कराया, जिसका विरोध गांववालों ने किया तो कार्य रुका, फिर से टेंडर उसी इंजीनियर को दिया गया है. क्या उस पर कार्यवाही करेंगे? लखमा ने पूछा कि क्या केवल कमीशन के लिए पुलिया बनाया जा रहा है? कि मंत्री ने स्वीकार पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी नोक-झोक के बीच गड़बड़ी करने वालों पर कार्यवाही करने विपक्ष सदन के भीतर नारेबाजी करने लगा. इसके साथ ही विपक्ष ने सदन के भीतर नारेबाजी करते हुए सदन से वॉक आऊट किया।

अवैध प्लॉटिंग और पुल निर्माण के मुद्दे से गूंजा सदन,विस अध्यक्ष ने दिए कार्रवाई के निर्देश

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीत सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को अवैध प्लॉटिंग और नियम विरुद्ध पुल निर्माण के मुद्दों पर सदन में जमकर बहस और हंगामा हुआ।धरसींवा क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग का मुद्दा विधायक अनुज शर्मा ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए उठाया। विधानसभा अध्यक्ष ने राजस्व मंत्री को एक महीने के भीतर विधानसभा के आस-पास अवैध प्लॉटिंग पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

अरुण साव भूपेश के बीच जुबानी जंग

विधानसभा में बिना टेंडर पुल निर्माण पर हंगामा, विपक्ष का वॉकआउट

छत्तीसगढ़ विधानसभा में सुकमा जिले के नक्सली क्षेत्र में पुल निर्माण को लेकर विधानसभा में जोरदार हंगामा हुआ। कोंटा विधायक कवासी लखमा ने पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव से सड़क और नालों पर बने पुल निर्माण को लेकर सवाल किया। .इन पुलों का निर्माण कार्य आदर्श आचार संहिता के दौरान ही शुरु किया गया था. पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कवासी लखमा के सवाल पर जब जवाब दिया तो कवासी इस जवाब से संतुष्ट नहीं हुए।

विक्रम मंडावी के सवाल से आयुष्मान पर घिरे स्वास्थ्य मंत्री

निजी अस्पताल में इलाज नहीं होने का मुद्दा सदन में उठा

छत्तीसगढ़ विधानसभा में शीत सत्र के दूसरे दिन ध्यानाकर्षण के जरिए विधायक विक्रम मंडावी ने निजी अस्पतालों के आयुष्मान राशि रुकने का मुद्दा उठाया। श्री मंडावी ने कहा कि, भुगतान लंबित होने के कारण इलाज नहीं हो रहा है।जिस पर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने जवाब देते हुए बताया कि, 838 करोड़ का भुगतान लंबित है। दिसंबर 2024 तक 1096 करोड़ का भुगतान निजी अस्पतालों को और 560 का भुगतान सरकारी अस्पतालों को हुआ है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)